



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 37 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 31, 2003/माघ 11, 1924

No. 37]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 31, 2003/MAGHA 11, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2003

अंतिम जांच परिणाम

विषय : ताईवान, सिंगापुर और हांगकांग के मूल की अथवा वहां से निर्यातित लैड एसिड बैटरियों के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम

सं. 59/1/2001-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अधीन :

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

I. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारीभी कहा गया है) ने दिनांक 5.4.2002 की अधिसूचना सं. 59/1/2001-डीजीएडी द्वारा ताईवान, सिंगापुर और हांगकांग मूल की अथवा वहां से निर्यातित लैड एसिड बैटरियों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था ;

ii. प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिससे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था ;

(1)

iii. प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि वे प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार प्रस्तुत करें ;

iv. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए 22.7.2002 को सार्वजनिक सुनवाई की थी जिसमें घरेलू उद्योग, आयातक और ताईवान के निर्यातकों ने भाग लिया था । सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था । हितबद्ध पार्टियों से इस प्रकार प्राप्त लिखित अनुरोधों पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इन जांच परिणामों में विचार किया गया है ।

v. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्षों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी ；

vi. प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है । परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उन्नित ढंग से विचार किया गया है ；

vii. उपर्युक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधारों को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए खुलासा किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है ।

viii. यह जांच 1 अक्टूबर, 2000 से 30 सितम्बर, 2001 तक की अवधि के लिए की गयी थी;

ix. इस अधिसूचना में आया \*\*\* चिह्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना को दर्शाता है और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा इसे ऐसा ही माना गया है ।

## 2. घरेलू उद्योग के विचार:

i. वे अमीक पक्षकार वर्तमान जांच में भाग ले रहे हैं जो हितबद्ध पक्ष होने का दावा नहीं कर सकते हैं । प्रारंभिक निष्कर्षों में इस बात का कहीं खुलासा नहीं किया गया है कि प्रारंभिक निष्कर्ष दर्ज करने से पूर्व इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा भाग लिया गया था ।

- ii. प्रारंभिक निष्कर्षों में मैसर्स पैनासोनिक इंडस्ट्रीयल एशिया प्रा० लि०, सिंगापुर और बी. बैटरी कं० लि०, हांगकांग को राहत प्रदान की गयी है जो न्यायोचित नहीं है ।
- iii. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत बनाए गए प्रावधान सभी पक्षों पर एक समान रूप से लागू होते हैं चाहे वह घरेलू उद्योग, निर्यातक, आयातक अथवा अन्य हो । निर्यातकों ने गोपनीयता के आधार पर अनुचित दावों को सहारा लिया है ।
- iv. प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों ने पूर्ण सूचना प्रदान नहीं की है और निर्दिष्ट प्राधिकारी से महत्वपूर्ण सूचना छिपायी है । निर्यातकों की कार्रवाई जांचों में काफी बाधा डालने के बराबर है । तथापि, निर्यातकों की यह कार्रवाई जान बूझकर की गई है । इन परिस्थितियों में निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तरों को अस्वीकार करने और उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई करने में न्यायोचित हैं ।
- v. निर्यातक गलत सूचना भरकर अथवा सूचना की गोपनीयता का दावा करके याचिकाकर्त्ताओं को अपने हितों की प्रभावशाली ढंग से रक्षा करने से रोक रहे हैं ।
- vi. याचिकाकर्त्ताओं ने प्रतिवादी निर्यातकों की वार्षिक रिपोर्टों की बास्बार मांग की है । तथापि, याचिकाकर्त्ताओं को इन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया है । समानता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों में यह मांग की गयी है कि सभी हितबद्ध पक्षकारों को एक समान स्तर की रक्षा प्रदान की जानी चाहिए । याचिकाकर्त्ताओं को निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तरों के सम्पूर्ण अगोपनीय अंश भी प्रदान नहीं किए गए हैं । कुछेक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत पत्र भी याचिकाकर्त्ताओं को अपनी टिप्पणियां देने के लिए उपलब्ध नहीं कराए गए हैं ।

### 3. निर्यातकों के विचार

#### (क) मैसर्स पायलट बैटरी कं० लि०, ताईवान

- i. निर्यातक ने निवेदन किया है कि सील्ड मैन्टीनेंस फ्री (एसएमएफ) बैटरी और साधारण किस्म की बैटरी भिन्न-भिन्न हैं । दोनों किस्मों के बीच कोई तुलना नहीं है । तदनुसार,

दोनों किस्मों को पृथक वर्गीकरण के रूप में माना जाए और दोनों किस्मों के लिए वास्तविक क्षति का निर्धारण पृथक रूप से करने की जरूरत है।

- ii. वे औद्योगिक बैटरी की लगभग 50 किस्मों का उत्पादन करते हैं जिनका निर्माण धरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है।
- iii. विश्व भर की 80% कंपनियों ने कम लाभ होने की सूचना दी है, इस प्रकार क्या यह निष्कर्ष निकलता है कि विश्व भर में सभी उत्पाद समूह में पाटन हो रहा है।
- iv. सील्ड मैट्टीनेंस फ्री औद्योगिक बैटरी के आयातों और उत्पादन के बारे में याचिकाकर्ताओं द्वारा कोई पृथक आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिसके बिना वास्तविक क्षति प्रमाणित नहीं हो सकती है और यह जांच अधूरी रह जाती है।
- v. एक याचिकाकर्ता द्वारा एसएमएफ बैटरी का व्यापक पैमाने पर आयात करने से निःसंदेह यह सिद्ध हो जाता है कि धरेलू उद्योग बाजार में इसे किस्म की एसएमएफ बैटरी की मांग पूरी नहीं कर सकता है और इस किस्म की बैटरी के लिए 'वास्तविक क्षति' का उनका दावा गलत था।
- vi. औद्योगिक सील्ड मैट्टीनेंस फ्री बैटरी की किस्मों और आकारों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है, यद्यपि भारत में 85 % अंतर्राष्ट्रीय आकारों का विनिर्माण नहीं किया जाता है।

(ख) मैसर्स सीएसबी बैटरी कं0 लि0, ताईवान और ताईवान युवासा बैटरी कं0, ताईवान

(i) जांच की शुरुआत के समय सूचना की यथार्तता और पर्याप्ता

(क) नियम 5(2) में यह व्यवस्था है कि उपनियम (1) के अंतर्गत आवेदन उसी रूप में होगा जो निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया हो और आवेदन के लिए पर्याप्त साक्ष्य होने चाहिए। विधि के अनुसार आवेदन निर्धारित प्रपत्र में ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए और वह हर दृष्टि से पूर्ण होना चाहिए क्योंकि प्रपत्र नियमानुसार निर्धारित है।

(ख) निर्देशों एवं नियमों का उल्लंघन करते हुए महत्वपूर्ण सूचना को गोपनीय रखा गया था। आयातों की मात्रा के बारे में आवश्यक सूचना निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत की गयी थी। इसके

अलावा, उनके द्वारा अंगीकृत माप की इकाई भी स्पष्ट नहीं थी। पूर्ववर्ती वर्षों के तुलनात्मक आंकड़े और जांच की अवधि भी निर्दिष्ट प्राधिकारी को नहीं उपलब्ध करायी गयी थी।

(ग) अनुबंध 1.9.1 आवेदन के साथ संलग्न नहीं किया गया है यद्यपि संलग्न किए जाने का दावा किया गया है।

(घ) आंकड़ों की अपर्याप्ति इस तथ्य से और प्रदर्शित होती है कि निर्यातक याचिका के अगोपनीय अंशों से यह निष्कर्ष निकालने में असमर्थ है कि आयात आंकड़ों के निर्धारण के लिए क्या मापदण्ड अपनाया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने याचिका में भिन्न-भिन्न मापदण्डों का उपयोग किया है जिससे यह स्पष्ट रूप से स्थापित होता है कि शुरू की गयी पाटनरोधी जांच के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी हेतु याचिका न तो पर्याप्त थी और नहीं यथार्थ।

(ङ.) मात्रा और मूल्य संबंधी निर्णायक सूचना रोकी गयी है। जिस समय घरेलू उद्योग को उन्हें इसके अगोपनीय अंश देने चाहिए उस समय यह सूचना गोपनीय अंश में दी गयी है।

(च) याचिकाकर्ताओं ने उनके द्वारा उत्पादित बैटरियों का आकार, वर्णन मॉडल, इत्यादि न देकर भाग II के प्रश्न सं0 5 का उत्तर नहीं दिया है।

(छ) भाग II के प्रश्न सं0 7 एवं 8 के उत्तर में याचिकाकर्ताओं ने पर्याप्त सूचना नहीं दी है। इस तथ्य का मूल्यांकन करने की जरूरत है कि यह सूचना अति आवश्क है खासकर उस वक्त जब सम्पूर्ण मामला भार के आधार पर बनाया गया हो। पर्याप्त सूचना अथवा इसके समर्थन में प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य के अभाव में घरेलू उद्योग के निवेदन स्वीकार नहीं किए जा सकते थे।

(ज) निर्यातकों ने दावा किया है कि याचिका के अगोपनीय अंश अस्पष्ट हैं। उन्हें उपलब्ध करायी गयी याचिका की प्रति छः देशों से संबंधित आंकड़ों के आधार पर प्रतीत होती है जबकि जांच की शुरुआत केवल तीन देशों के लिए की गयी थी। उन्हें उपलब्ध कराए गए आवेदन में यदि छह देशों के संदर्भ में सूचना उपलब्ध है तो उनके सभी तर्क और निवेदन अर्थहीन हो जाएंगे। स्पष्टीकरण और याचिका का सही अगोपनीय अंश न होने की स्थिति में उनके हित काफी पूर्वाग्रही थे। यह स्पष्ट किया गया था कि उनका अनुरोध याचिकाकर्ताओं के केवल अगोपनीय अंश के संबंध में था न कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना अथवा प्रारंभिक निष्कर्षों के संबंध में था।

( ii ) गोपनीयता

पाटनरोधी प्रक्रियाओं में यह अपेक्षित है कि जांच की प्रत्येक अवस्था में हितबद्ध भागीदार पक्षकार को अन्य हितबद्ध पक्षकारों के बारे में टिप्पणी करने और उनका विरोध करने का एक अवसर प्रदान किया जाए। वस्तुतः नियम 6 और 7 कार्यवाही संचालन के इस मूलभूत सिद्धांत का प्रतिपादन करते हैं। याचिकाकर्ताओं को या तो पर्याप्त सारांश प्रस्तुत किए बिना अथवा माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिए गए किसी निर्णय के बिना जांच की अनेक महत्वपूर्ण पहलूओं को गोपनीय रखने की अनुमति दी गयी है। विशेषकर इस गोपनीयता को छुपाने का सबसे अधिक सुस्पष्ट दुरुपयोग स्वयं विचाराधीन उत्पाद है, इसके बावजूद कि घरेलू उद्योग को जापान, कोरिया, चीन और बंगलादेश के खिलाफ एलएबी-1 मामले में प्रारंभिक निष्कर्षों द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी के दृष्टिकोण से अवगत होने का लाभ था।

( iii ) भार के आधार पर मूल्यांकन

i ) इस विशेष मामले में प्राधिकारी ने अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश को उचित माना है। इसके समर्थन में स्पष्ट कारण यह प्रतीत होता है कि लैड एक महत्वपूर्ण निविष्टि है और वह बैटरी की उत्पादन लागत को सही ढंग से प्रदर्शित करती है तथा डीजीएफटी/डीईपीबी की प्रथा भार आधार पर प्रोत्साहन देने की है।

ii ) यह दृष्टिकोण दोषपूर्ण है क्योंकि भार के आधार पर प्रोत्साहन प्रदान करने का डीईपीबी भार आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को न्यायोचित बनाने का आधार नहीं बन सकता है। डीईपीबी एक प्रोत्साहन स्कीम है जिसका लक्ष्य भारतीय उद्योगों से निर्यात बढ़ाना है और इसकी अनुमति भार के आधार पर दी जाती है क्योंकि इसका एकमात्र उद्देश्य लैड पर लगाने वाले उस शुल्क की प्रतिपूर्ति विनिर्माताओं/निर्यातकों को करना है जो भार आधार पर लगाया जाता है। इसके अलावा, डीईपीबी प्रोत्साहन मूल्य आधार से परिवर्तित होकर मात्रा आधारित हो गया है। इस प्रकार, प्रोत्साहन मात्रा आधार पर प्रदान किए जाते हैं। पाटनरोधी प्रयोजनों के लिए सामान्य मूल्य और पहुंच कीमत का परिकलन बहिर्वेशन करने के लिए करना अनुचित है।

iii ) यह बात नोट करना प्रासंगिक होगा कि लैड एसिड बैटरियों के भारतीय मानक विनिर्देशनों का बैटरियों की वोल्टेज और ऐम्पियर घण्टा से संबंध होता है । भार के आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाना उचित नहीं है क्योंकि बैटरी बिजली का संचायक है । बैटरी में निहित बिजली की मात्रा को उसकी ऐम्पयर घण्टा क्षमता के रूप में व्यक्त किया जाता है । एक 12 बोल्ट 100ए एच बैटरी में 12 वोल्ट 65ए एच बैटरी से अधिक बिजली की क्षमता होती है । चूंकि यह बिजली का एक भण्डार होता है इसलिए एक स्पष्ट प्रश्न यह है कि बैटरी एक विशेष भार (ऐम्पियर में धारा) कितनी देर तक (घण्टों में) चल सकती है । इस प्रकार के मापदण्ड को एक निश्चित अवधि में डिस्चार्ज की दर के रूप में व्यक्त किया जाता है और इसका उल्लेख डिस्चार्ज अवधि के रूप में किया जाता है ।

(ग) मैसर्स आइक कून टायर एण्ड बैटरी कं0 पीटीई, लि0, सिंगापुर

मैसर्स आयल कून टायर एण्ड बैटरी कं0 पीटीई. लि0 सिंगापुर ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपना उत्तर दे दिया है और यह कहा है कि उन्होंने पहले भारत को लैड एसिड बैटरियों का निर्यात नहीं किया है ।

4. आयातकों के विचार

कुछेक आयातकों और प्रयोक्ताओं जैसे मैसर्स यूनियन सेल्स प्रा0 लि, मैसर्स मोटो मोटर्स लि0, मैसर्स आर्चिड इलैक्ट्रॉनिक्स लि0, मैसर्स काइनेटिक मोटर कं0 लि0, मैसर्स केटरपिलर इंडिया प्रा0 लि0, मैसर्स टोयोटा किलोस्कर मोटर, मैसर्स बिरला यामा लि0, और मैसर्स अशोक ली लैण्ड लि0 ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा भेजी गयी प्रश्नावली का उत्तर दे दिया है । उनके द्वारा दिए गए विचार निम्नानुसार हैं :-

i) भारत में निर्मित बैटरियां कीमत और गुणवत्ता में प्रतिस्पर्धी नहीं है । इनकी लागत थाईलैण्ड में उपलब्ध बैटरियों की तुलना में 30 % से 40 % अधिक होती है - तुलना पहुंच लागत के आधार पर की जाती है । हमने ताईवान, सिंगापुर और हांगकांग में प्रचलित कीमतों की कोई तुलना नहीं की थी ।

( ii ) भारतीय बैटरी निर्माताओं को कीमत और गुणवत्ता दोनों तरह से अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनने की आवश्यकता है। आटोमोबाइल बाजार को वैश्विक रूप से अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना है और इसलिए निविष्टियों का भी प्रतिस्पर्धी होना आवश्यक है।

( jii ) घरेलू बैटरी उद्योग को आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू होने से अस्थायी राहत और संरक्षण मिल सकता है, परन्तु यह उद्योग के लिए लम्बी अवधि तक सहायक सिद्ध नहीं होगा। ऐसा संरक्षण वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सहायता नहीं करेगा।

( iv ) घरेलू बैटरी उद्योग को प्रतिस्पर्धा को स्वीकार करना चाहिए और अपने अस्तित्व बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना चाहिए और चूंकि इस क्षेत्र में अधिक प्रतियोगी नहीं हैं इसलिए प्रचालनों में किफायत के लिए मात्रा एक मुद्दा नहीं होना चाहिए।

ग. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण पर हितबद्ध पक्षकारों के विचार

#### 5. घरेलू उद्योग के विचार

(क) 'विचाराधीन उत्पाद' लैड एसिड बैटरियाँ हैं और इसलिए आटोमोटिव और औद्योगिक प्रकार की बैटरियां जिन पर प्रारंभिक जांच परिणामों में शुल्क लगाये जाने की सिफारिश की गई है, के अतिरिक्त लैड एसिड बैटरी के अन्य प्रकारों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है। इस प्रकार का अधिशेष शुल्क निदेशालय द्वारा लागू होने वाले अधिशेष शुल्क के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए उच्चतम स्तर का होना चाहिए। 'आटोमोटिव' तथा 'इंडस्ट्रीयल' शब्दों को यद्यपि वाणिज्यिक शब्दावली में व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है परन्तु ये सीमाशुल्क परिभाषा में शामिल नहीं हैं। अतः इनके गलत प्रयोग और दुरुपयोग से बचने के लिए अंतिम जांच परिणामों में इन शब्दों के अर्थों को स्पष्ट करना आवश्यक है। लैड एसिड बैटरी के किसी भी प्रकार को पाटनरोधी शुल्क के दायरे से बाहर रखना अपेक्षित नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग आयात हो रही वस्तु के समान वस्तु का प्रस्ताव कर रहा है।

(ख) 'निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस उत्पाद संबंधी पूर्व की जांच और वर्तमान जांच के प्रारंभिक जांच परिणामों में भी 'आटोमोटिव' तथा 'इंडस्ट्रीयल' बैटरियों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है। तथापि, लैड एसिड बैटरियों के दो प्रकारों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की

गई है फिर भी विचाराधीन उत्पाद पर किसी पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की गई है। निर्दिष्ट प्राधिकारी की परम्परा यह रही है कि उन मामलों में विचाराधीन उत्पाद के उस अवशिष्ट स्वरूप पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जाए जिनमें पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश उत्पादन के विशिष्ट प्रकारों पर की गई हो। अतः यह अनुरोध किया जाता है कि उत्पाद के "अवशिष्ट" स्वरूप पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना अपेक्षित है और निर्दिष्ट प्राधिकारी के अवशिष्ट शुल्क के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार का पाटनरोधी शुल्क उच्चतम स्तर पर निर्धारित करना अपेक्षित है।

(ग) व्यापारिक कंपनियों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की जा सकती है। ऐसी किसी भी स्थिति में पाटनरोधी शुल्क "उत्पादकों और व्यापारियों" के आधार की बजाय "उत्पादक या व्यापारी" के आधार पर लगाया जाना चाहिए। इस संबंध में अन्य मामलों में निदेशालय के निर्णय प्रासंगिक हैं।

(घ) याचिका नियमों के अंतर्गत अपनी स्थिति को सिद्ध करती है। विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने सर्वोत्तम स्थिति में कुछेक अप्रमाणित और असमर्थित दावे किए हैं जबकि याचिकाकर्ताओं ने विपरीत समस्याएं होते हुए भी संबंधित स्थिति को पूरा किया है।

(ङ.) सीएसबी तथा पायलट द्वारा प्रस्तुत उत्तरों को अस्वीकार करना पड़ेगा क्योंकि ये अपूर्ण हैं और प्रस्तुत सूचनाएं अपर्याप्त हैं। वर्तमान परिस्थितियों में निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यातक द्वारा दावा की गई उत्पादनहालागत को स्वीकार नहीं कर सकते हैं और यह निर्धारित नहीं कर सकते हैं कि की गई बिक्रियां व्यापार के सामान्य क्रम में थी। निर्यातक द्वारा संगत सूचना उपलब्ध नहीं कराए जाने के लिए प्रस्तुत कारण और भी क्षोभपूर्ण हैं। निर्यातक के तर्क को न तो तर्कसंगत दावे के रूप में स्वीकार किया जा सकता है और न ही निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनायी जा रही प्रक्रिया को उचित महत्व दिया है। वस्तुतः निर्दिष्ट प्राधिकारी के प्रति की गई अभद्रता अकेले ही निर्यातक को असहयोगी घोषित करने के लिए पर्याप्त है।

(च) प्रकटन विवरण से यह पूर्णतः स्पष्ट है कि मै0 पायलट बैटरीज ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ पूरा सहयोग नहीं किया है। निर्यातक ने निर्धारित ढंग और तरीके से आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। अतः उपलब्ध कराए गए आंकड़े सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकते हैं। निर्यातक ने सौदेवार और जिनमें प्रत्येक सौदे में शामिल मॉडल स्पष्टतया प्रदर्शित हों, प्रस्तुत नहीं

किये हैं। इसके अलावा निर्यातक ने अपनी उत्पादन लागत को प्रमाणित नहीं किया है। इस प्रकार की स्थिति में, यह कहा जा सकता है कि निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ पर्याप्त सहयोग नहीं किया है और इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यातक के उत्तर, विशेष रूप से सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में, को अस्वीकार करने के मामले में पूर्णतः न्यायसंगत हैं।

(छ) घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित विभिन्न मापदण्ड संचयी और समग्र रूप से यह निर्धारित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई थी और इसके अलावा यह कि आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने का खतरा बना हुआ है।

(ज) प्रारंभिक जांच परिणामों में पेनासोनिक और नेशनल ट्रेडिंग को चीन में निर्मित बैटरी के इन कंपनियों द्वारा निर्यात के मामले में छूट प्रदान की गई थी। ऐसी छूट अवैध है क्योंकि सामान्य मूल्य को अब सिंगापुर और/या हांगकांग में प्रचलित कीमत के संदर्भ में निर्धारित करना अपेक्षित है न कि चीन में प्रचलित कीमतों के संदर्भ में। तथापि, चूंकि इन कंपनियों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इन कंपनियों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं कर सकते हैं। इस प्रकार, इन कंपनियों द्वारा यह निर्धारित नहीं किया गया है कि इन कंपनियों द्वारा किये गए निर्यातों के संबंध में पाठन किया गया था। इस स्थिति में, वर्तमान जांच में इन ट्रेडिंग कंपनियों को कोई छूट प्रदान नहीं की जा सकती है।

## 6. आयातकों के विचार

### मैं नेटिक मोटर कंपनी लि०

इहोंने जांचाधीन देशों से अर्थात् ताईवान, सिंगापुर तथा हांगकांग से लैड एसिड बैटरियों का आयात नहीं किया है। वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग की न्यायसंगतता पर विचार करते हुए निर्णय लिया जा सकता है।

## 7. उत्तरकों के विचार

### (i) सीएसबी बैटरी कं० लि०, ताईवान

(क) माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी की यह घोषणा गलत है कि सीएसबी पूर्णतया सहयोगी पक्षकार नहीं है। निर्यातक ने यह दावा किया है कि उन्होंने डीजीएडी के अधिकारियों के समक्ष समय-समय पर निर्धारित प्रपत्र में संपूर्ण सूचना प्रस्तुत की है।

(ख) निर्यातक ने प्रकटन विवरण के पैरा 2.2 (क) में किए गए उल्लेख का यह कहते हुए इनकार किया है कि उनके द्वारा जिन लागतों का दावा किया गया है वे वास्तविकताओं पर आधारित हैं और केवल बिक्री खर्च, आर एंड डी, प्रशासनिक लागत, वित्त और व्याज लागत बजटगत बिक्रियों को प्रतिशत आवंटन पर आधारित हैं। निर्यातक ने आगे यह अनुरोध किया है कि वास्तिवक और बजटगत लागत से अंतर को संबंधित शीर्षों में विभाजित नहीं किया गया है परन्तु "प्रचालन खर्च" शीर्ष के अंतर्गत वार्षिक वित्तीय विवरणों में उचित रूप से दर्शाया गया है। निर्यातक द्वारा यह दावा किया गया है कि कच्ची सामग्री और विनिर्माण खर्च दौरा करने वाले दल को प्रस्तुत किए गए विवरण से संबंधित हैं जिनमें वास्तिवक लागत दर्शाई गई है। सीसे और सीसे के यौगिकों के अनुसार कच्ची सामग्री का विवरण ही वास्तव में दौरा करने वाले दल को प्रस्तुत किया गया था निर्यातक ने यह भी बताया है कि समग्र जांच व बैटरी के वजन और सीसे के घटक के आधार पर की गई थी इसलिए सीएसबी द्वारा प्रस्तुत सूचना से व्यापार की सामान्य प्रक्रिया जांच करने का प्रयोजन पूरा हो जाता।

(ग) प्राधिकारी ने याचिका दायर करने संबंधी घरेलू उद्योग की स्थिति के निर्धारण हेतु अपनाये जाने वाले मापदण्डों के बारे में सूचित नहीं किया है।

(घ) निर्यातक ने यह टिप्पणी की है कि मैरो एक्सपोड ने सिंगापुर में क्लोराइड बैटरी साउथ एशिया पीटीई लिंग का 100 % हिस्सा अधिगृहीत कर लिया है और यह प्रतीत होता है कि यह तथ्य निर्दिष्ट प्राधिकारी से छुपाया गया है। उक्त कंपनी सिंगापुर जो जांचाधीन देश है, से संबद्ध वस्तु की उत्पादक/निर्यातक कंपनी है।

(ङ.) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सीएसबी द्वारा उठाये गए इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया है कि बैटरी की लैड भात्रा तथा भार तकनीकी भिन्नताओं के कारण प्रत्येक उत्पादन के मामले में अलग-अलग होते हैं।

(च) भार के मुद्दे पर प्राधिकारी हमारे इस सुझाव पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे पाये हैं कि शुल्क लागू करने के लिए उचित तरीका वीएच (वोल्ट गुणा एम्पीयर ऑवर) आधार पर है न कि भार के आधार पर।

(छ) अभी तक परकलनों के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है कि सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के संबंध में अंतिम आंकड़े किस प्रकार परिकलित किए गए हैं।

(ज) माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए औद्योगिक, एम एफ आटोमोटिव, एन एम एफ आटोमोटिव तथ मोटरसाईकिल बैटरियों के लिए अलग-अलग क्षति विश्लेषण करना अनिवार्य होगा ।

(झ) यह भी बताया गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की वृद्धि दर घरेलू उत्पादन की दर से अधिक है । इस संबंध में, यह अनुरोध किया गया है कि यह विश्लेषण मात्र असंगत ही नहीं है अपितु अनुबंध II के पैरा( iv ) के अंतर्गत क्षति विश्लेषण के लिए वर्णित 15 कारकों में से एक के रूप में भी कल्पित नहीं किया गया है ।

(ञ) एक्साइड तथा अमारा राजा के तुलन पत्र से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि दोनों कंपनियों, एक्साइड के कुल लाभ में मामूली गिरावट को छोड़कर वित्तीय निष्पादन के लगभग सभी मापदण्डों के संबंध में बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं ।

(ट) यह भी देखा जा सकता है कि वर्ष 2000-2001 में एक्साइड ने नये निवेशों में महत्वपूर्ण ढंग से वृद्धि की है । अतः घरेलू उद्योग के लिए पहले वर्ष में उसके नये निवेशों पर इससे अधिक या इतनी ही आय की आशा करना वाणिज्यिक दृष्टि से अस्वीकार्य है । प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण में इस पहलू पर विचार नहीं किया है ।

(ठ) वस्तु-सूची में तथाकथित वृद्धि के बारे में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या इनमें मूल्य, भार या नार के अनुसार भी वृद्धि हुई है ।

(ड) प्रकटन विवरण में आयातों का या घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो क्षति विश्लेषण का एक महत्वपूर्ण अंग है, के बारे में न तो कही चर्चा की गई है और न ही कोई संकेत किया गया है ।

(झ) प्रकटन विवरण में यह बताया गया है कि दो कारणों से क्षति का खतरा विद्यमान है । पहला, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों में पर्याप्त दर पर वृद्धि हुई है । दूसरा इन देशों में हो रहे अत्यधिक उत्पादन को देखते हुए इन स्रोतों से आयातों की काफी वृद्धि होने की संभावना भी है । अनुबंध II के आरंभिक पैरा के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को वास्तविक क्षति तथा क्षति के खतरे के लिए मामले साथ ही साथ तैयार करने की अनुमति नहीं है ।

## मैं ० पायलट बैटरी कं० लि० ताईवान

(क) यह प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने पहले ही यह तय कर लिया था कि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा और उन्होंने हितबद्ध पार्टियों की वास्तविक शिकायतों की जांच करना आवश्यक नहीं समझा ।

(ख) इंडस्ट्रियल बैटरियों के अंतर्गत, सील्ड मैनटेनेंस फ्री बैटरियों को अलग से वर्गीकृत किया जाना चाहिए । निःसंदेह यह 'समान वस्तु' नहीं है । हम चाहेंगे कि प्राधिकारी द्वारा एक विशेषज्ञ तकनीकी समिति को इस विषय पर अपनी राय देने के लिए नियुक्त किया जाए ।

(ग) याचिकाकर्त्ताओं तथा प्राधिकारी ने ताईवान से संबंधित सभी जांचों तथा नोटिसों को केवल सी एस बी बैटरी कं० तथा ताईवान युआसा बैटरी कं० तक सीमित रखा है । पायलट द्वारा भारत को निर्यात किसी भी कार्यवाही के लिए बहुत कम है । उन्होंने प्राधिकारी को अपनी समस्त बहियों की जांच करने के लिए अवाधित प्रवेश की अनुमति दी । हमारे ताईवान के दफ्तर में उनकी गहन छानबीन की गई । प्राधिकारी द्वारा उनके स्वैच्छिक सहयोग का दुरुपयोग करना उचित नहीं है ।

(घ) 'पाटन' का सारा मामला किसी देश विशेष से नहीं बल्कि आयातों के कम इकाई मूल्य से उत्पन्न होता है । याचिकाकर्त्ताओं का किसी वास्तविक कारण के बिना पक्ष लिया जा रहा है ।

(ड.) उनके द्वारा लगभग 59 आकारों की सील्ड मैनटेनेंस फ्री बैटरियों उत्पादित की जा रही हैं, जो याचिकाकर्त्ताओं के विनिर्माण के दायरे में नहीं आती हैं । दुर्भाग्यवश याचिकाकर्त्ताओं ने प्राधिकारी को इस विषय में अन्यथा विश्वास करने के लिए विवश किया है । उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है तथा याचिकाकर्त्ताओं को चुनौती दी है कि वे 'जांच अवधि' से संबंधित उसी आकार के उत्पादन रिकॉर्ड्स/विक्रय रिकॉर्ड्स का प्रकाशन करें ।

(च) याचिकाकर्त्ताओं ने यह भी दावा किया है कि हर आकार की एस एफ बैटरियों को एक दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाया जा सकता है । यह पूर्णतया गलत है । वे प्राधिकारी को गुमराह कर रहे हैं । हम प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे हमें कृपया बताएं कि कौन सी स्थानीय निर्मित एसएफ बैटरी 'हार्ट-लंग', मशीन में इस्तेमाल होने वाली 2.3 ए एच-12 वी या 1.2 ए एच-

( iii ) मैं ० ताईवान युआसा बैटरी कं० ताईवान:

यदि प्राधिकारी को ऐसा महसूस हो रहा था कि उपलब्ध कराई गई जानकारी निर्धारित प्रारूप के अनुसार नहीं है तो उन्हें इसकी ओर संकेत करना चाहिए था ताकि उचित अवसर उपलब्ध होने पर वे समस्या का समाधान कर देते। किसी ऐसे समय पर जो दोनों के लिए सुविधाजनक हो हम उक्त दल को जांच के लिए प्रस्तुत करते हैं। याचिका को हमारे उत्तर के साथ-साथ माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई सूचना/तथ्य तथ प्रत्युत्तर की प्रस्तुति आदि पर अंतिम जांच परिणाम दर्ज करने से पूर्व विचार किया जाए। ताईवान युआसा बैटरी कं० ने भारत में किसी भी संबद्ध वस्तु का पाटन नहीं किया है। हम इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को पूर्ण सहयोग करने के इच्छुक हैं तथा नियमों के अंतर्गत किसी भी प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अभी भी तैयार हैं।

8. प्राधिकारी द्वारा जांच

ये जांच परिणाम निकालते समय निर्यातकों, आयातकों, धरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई हैं तथा उन पर विचार किया गया है और जहां आवश्यक समझा है, एतदपश्चात उन पर कार्रवाई की गई है। तथापि हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों की जांच निम्नानुसार की गई है -

( i ) हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए गोपनीयता के मुद्दे पर यह स्पष्ट किया जाता है कि ऐसी सूचना जो गोपनीय प्रकृति की हो उसके बारे में गोपनीय होने का दावा किया जा सकता है। प्राधिकारी द्वारा अपनाई जा रही पद्धति के अनुसार जिस सूचना का दावा गोपनीय सूचना के रूप में किया गया है, उसे गोपनीय माना व स्वीकार किया गया है। इसके अलावा, जिस सूचना के बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है और जिसके प्रकटन से उस व्यक्ति पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, ऐसी सूचना के प्रस्तुतीकरण को भी गोपनीय माना गया है।

( ii ) यहां तक याचिका के अगोपनीय रूपांतर की अस्पष्टता का संबंध है, जांच, शुरुआत संबंधी अधिसूचना से यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्ता ने कई देशों के विरुद्ध याचिका दायर की है। तथापि, प्राधिकारी ने पाया है कि इनमें से कुछ देशों से आयातों की मात्रा न्यूनतम थी। तदनुसार जिन देशों के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, उन सभी देशों के संबंध में जांच शुरू नहीं की गई थी।

( iii ) यह नोट किया जाता है कि लैड ऐसिड बैटरियों के मामले में आंकड़े यूनिटों की संख्या के अनुसार संकलित किए जाते हैं। परंतु यूनिटों की संख्या के संबंध में मात्रा को इंगित करना महत्वपूर्ण सूचना हो सकती क्योंकि बैटरियों के भिन्न-भिन्न मॉडलों/प्रकारों की लागत और कीमत अलग-अलग होती है। आगे यह उल्लेख किया गया था कि सीसे की मात्रा तथा बैटरी के भार और इससे संबंधित लागतों, मूल्य तथा निष्पादन विशेषताओं जैसे विद्युत क्षमता, रेट ऑफ डिस्चार्ज आदि के बीच सह संबंध है। इसलिए उत्पाद को यूनिट और मूल्य के संबंध में समूहबद्ध करने के अलावा उस उत्पाद में शीशे की मात्रा तथा बैटरी के भार के बारे में सूचना प्राप्त करना भी उपयोगी होगा क्योंकि बैटरी की क्षमता तथा सीसे की मात्रा के बीच सह संबंध होता है जो मूल्य एवं कीमतों में भी प्रदर्शित किया जाता है। बैटरी के भार उसकी क्षमता तथा उसकी उत्पादन लागत के मध्य सीधे संबंध आदि अनेक ऐसे कारक थे जिनके कारण प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी द्वारा सिफारिश शुद्ध लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क की गणना करने के उद्देश्य से संदर्भ कीमत/मूल्यों के निर्धारण के लिए बैटरी के भार को आधार के रूप में लेने का निर्णय लिया गया।

( iv ) यह तर्क दिया गया है कि बैटरी उद्योग में आयाम, प्लेटों की संख्या एवं वोल्टेज, एम्पीयर आवर (ए एच) कार्य अवधि आदि जैसे निर्देशनों के आधार पर प्रकारों/मॉडलों की संख्या के संबंध में लैड ऐसिड बैटरियों को वर्गीकृत करने की मानक पद्धति रही है। उक्त विनिर्देशन ए एच दर वोल्टेज डिस्चार्ज विशेषताओं तथा डिस्चार्ज अवधि के आधार पर अलग-अलग होते हैं। चूंकि विनिर्देशन अथवा क्षमता में अंतर होता है और इसी प्रकार बैटरी के लैड तत्व सहित उसके भार में भी अंतर होता है। यह भी तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा वाणिज्यिक सौदों में भी इस मानक पद्धति का पालन किया जाता है और उन्होंने भार के आधार पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को भ्रमित किया है। दो बैटरियों के बीच तुलना करने के लिए ए

एवं क्षमता, वोल्टेज, डिस्चार्ज अवधि, चार्जिंग विशेषताओं, बैटरी की कार्य अवधि जलवायु की स्थितियों को ध्यान में रखना होता है। इसके अलावा यह बताया गया है कि बैटरियों की कीमतें भी विनिर्देशनों के अनुसार अलग-अलग होती हैं और आटोमोटिव बैटरी की प्रति किलोग्राम लागत भी बैटरी के आकार (क्षमता) में वृद्धि के अनुसार कम हो जाती है।

( v ) जैसा कि ऊपर बताया गया है, अलग-अलग विनिर्देशन की बैटरियों की लागत, कीमत और उनके निष्पादन को प्रभावित करने वाले अनेक मापदंड हैं। हितबद्ध पार्टियों ने ऐसे लगभग दस मापदंडों का उल्लेख किया है। इसके अलावा आटोमोटिव और औद्योगिक बैटरियों के ऐसे अनेक प्रकार/मार्गल हैं जिनके विनिर्देशन भिन्न-भिन्न होते हैं और जिनका उत्पादन और बिक्री की जाती है। उत्पादित की जा रही अथवा भविष्य में उत्पादित किए जाने की संभावना वाली बैटरियों के इन प्रकारों/मार्गलों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग शुल्क की सिफारिश करना संभव नहीं है। तथापि, जांच एवं विनिर्माता की सुविधाओं के सत्यापन की कार्रवाई के दौरान यह सूचित किया गया था कि किसी बैटरी के लिए लैड का भार और बैटरी का भार ऐसे दो महत्वपूर्ण मापदंड हैं जिनका उपयोग तुलना और गणना के प्रयोजनार्थ सामान्य कोटि निर्धारक के रूप में किया जा सकता है। डिस्चार्ज विशेषताओं, बैटरी की कार्य अवधि आदि जैसे अन्य मानदंडों का आसानी से आकलन नहीं किया जा सकता और इनमें तुलना की समस्याएं होती हैं। प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी यह मानते हैं कि शुल्क लगाने के प्रयोजन हेतु भार के संबंध में बैटरियों के अलग-अलग प्रकारों का निर्धारण सर्वथा उचित है और उसने भार के आधार पर अपने पूर्ववर्ती निर्धारण को जारी रखने का निर्णय लिया है।

( vi ) जहां तक पूर्ण सूचना प्रस्तुत किए जाने के बारे में मै0 ताईवान युआसा बैटरी कं0 के दावे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली में मांगी गई पूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं की है। निर्यातक ने परिशिष्ट 1 और 2 में यथापेक्षित घरेलू बाजार में सौदेवार बिक्री और भारत को निर्यात के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की है। परिशिष्ट-7 में कोई सूचना नहीं दी गई है। परिशिष्ट-8 में दी गई उत्पादन लागत निर्धारित प्रपत्र में नहीं थी। तदनुसार प्राधिकारी यह मानते हैं कि निर्यातक द्वारा दायर सूचना अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए अत्यधिक अपर्याप्त है और इससे प्राधिकारी निर्यातक को असहयोगी मानने के लिए बाध्य हुआ है।

( vii ) जहां तक वास्तविक आधारपर लागत आंकड़े प्राधिकारी को प्रस्तुत करने और दौरा करने वाले दल द्वारा उसके सत्यापन के बारे में मै० सी एस बी बैटरी कं०, ताईवान के दावे का संबंध है, अनुरोध किया जाता है कि उक्त वक्तव्य तथ्यों पर आधारित नहीं है । निर्यातक से अब तक प्राप्त उत्तरों से यह स्पष्ट नहीं होता है कि क्या निर्यातक ने जांच अवधि के लिए लागत संबंधी सूचना प्रस्तुत की है अथवा उस वार्षिक वित्तीय अवधि के लिए जो कि जांच अवधि से अलग है । निर्यातक ने अपने उत्तर में दावा किया है कि बिक्री व्यय, आर एंड डी, प्रशासनिक लागत, वित्त एवं व्याज बजटीय बिक्रियों के प्रतिशत आवंटन पर आधारित हैं जिसका तात्पर्य यह है कि इन घटकों की लागत भी वास्तविक बिक्रियों पर आधारित नहीं है । यदि निर्यातक ने वास्तविक लागत और विभिन्न माडलों के लिए बजटीय बिक्रियों पर आधारित लागत के बीच के अंतर को आमेलित और प्रदर्शित नहीं किया है तो यह दावा इस प्रकार किया जा सकता है कि भिन्न-भिन्न माडलों की लागत किस प्रकार वास्तविक व्यय पर आधारित है । निर्यातक ने बैटरियों के भिन्न-भिन्न माडलों के विनिर्माण में भिन्न-भिन्न सामग्रियों के घटकवार और प्रस्तुत नहीं किए थे । सामग्री की लागत और लागत के अन्य घटकों को बिक्री प्राप्ति के केवल प्रतिशत के रूप में प्रदर्शित किया गया है । जांच दल को यह कभी नहीं बताया गया था कि तुलन पत्र में इस प्रकार उल्लिखित लागत को किस प्रकार कंपनी के लेखों/लाभ तथा हानि खाते से निकाला गया है । निर्यातक द्वारा जांच दल को इस बात पर भी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका कि परिशिष्ट 8,9 और 10 में दावा की गई लागत किस प्रकार जांच अवधि के रिकार्ड पर अथवा अलग अवधि के आंकड़ों पर आधारित है । सत्यापन के अंत में दल को सौंपे गए दस्तावेजों में उल्लिखित उत्पादन लागत से संबंधित इस विवरण से कि इस प्रकार इंगित की गई लागत वास्तविक व्यय पर आधारित है, यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि उक्त लागत इस प्रकार आधारित है जैसा कि जांच अवधि के लिए लेखों से सत्यापन दल को प्रदर्शित करने के लिए निर्यातक की ओर से अनिवार्य है । सत्यापन की कार्यवाई के दौरान निर्यातक द्वारा ऐसा कभी नहीं किया गया था । प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातक ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उसके द्वारा इस प्रकार दावा की गई लागत जांच अवधि के लिए है अथवा नहीं । ऊपर दिए गए कारणों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि निर्यातक ने अपने परिसर में सत्यापन की कार्यवाई के दौरान प्राधिकारी को रुक्षोग नहीं दिया है और इस प्रकार जांच अवधि के लिए लागत के मूलभूत आंकड़ों के अभाव में प्राधिकारी

यह निर्धारण नहीं कर सके कि क्या घरेलू बाजार में निर्यातक द्वारा की गई बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में थीं अथवा नहीं ।

(iii) मै0 एक्साइड द्वारा क्लोराइड बैटरीज साउथ एशिया पीटीई लि0 सिंगापुर के अभिग्रहणों संबंधी मै0 सीएसबी के अवलोकन के बारे में प्राधिकारी पाते हैं कि निर्यातक द्वारा यह मुद्दा पहली बार उठाया गया है । मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज लि0 तथा मै0 क्लोराइड बैटरीज से इस संबंध में प्राप्त स्पष्टीकरण यह दर्शाते हैं कि यद्यपि मै0 क्लोराइड मै0 एक्साइड की एक 100% सहयोगी कंपनी है परन्तु इसके पास कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है और इन्होंने अप्रैल 2000 से आज तक भारत को दो नमूना बैटरियों को छोड़कर किसी लैड एसिड स्टोरेज बैटरी का निर्यात नहीं किया है । अतः प्राधिकारी मानते हैं कि यह संबद्धता मै0 एक्साइड को इस याचिका को दायर करने से प्रतिबंधित नहीं करती है ।

**(घ) विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुएँ**

**9. घरेलू उद्योग के विचार**

(i) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद " डेल एसिड बैटरियां " हैं भले ही उनकी क्षमता, आकार, प्रकार आदि कुछ भी हो । इसके अलावा विचाराधीन उत्पाद के मुद्दे पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पूर्वती जांचों में विस्तार से चर्चा की गई है । ऐसा मामला होने के कारण मुद्दे पर कोई तर्क नहीं दिया जा सकता ।

(ii) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु है ।

(iii) पायलट द्वारा कुछ प्रकारों को अलग रखने की जो मांग की गई है वह अनापक्षित है क्योंकि:

(क) जांच अवधि के दौरान उक्त कंपनी द्वारा इनमें से कुछ बैटरियों का भारत को निर्यात नहीं किया गया है;

(ख) घरेलू उद्योग द्वारा जांच अवधि में पायलट द्वारा निर्यातित माडलों के समनुरूप अथवा उनसे अत्यधिक मिलते जुलते माडलों का निर्माण किया जाता है ।

**10. निर्यातकों के विचार**

**मै0 सीएसबी बैटरी कं0 लि0 ताईवान और**

**मै0 ताईवान युआसा बैटरी कं0 ताईवान**

(क) घरेलू उद्योग को उप समूहन अर्थात् औद्योगिक एवं आटोमोबाइल (रख रखाव मुक्त और रख रखाव युक्त) और मोटर साइकिल को अभिज्ञात किए बिना अत्यधिक व्यापक ढंग से विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करने की अनुमति गलत ढंग से दी गई है ।

(ख) पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद तथा समान उत्पाद, बैटरी के प्रत्येक प्रकार को अलग-अलग लिया जाना चाहिए क्योंकि ' समान उत्पाद' का तात्पर्य ' समनुरूप उत्पाद' , ' हर प्रकार से समान' उत्पाद से है जिसे वाणिज्यिक सौदों और व्यावहारिक प्रयोग में प्रतिस्थापित किया जा सकता है । आगे यह तर्क दिया गया है कि समस्त व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए प्रत्येक प्रकार की लेड एसिड बैटरी अलग ' उत्पाद' है । प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं के इस तर्क को स्वीकार करने में गलती की है कि बैटरियों के लेड तत्व और भार की गणना करके सभी प्रकार की बैटरियों का लेड एसिड बैटरी की एक ही श्रेणी में आमेलित किया जाना चाहिए । बैटरियों के समस्त प्रकारों, जो वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं, को स्वीकार करके प्राधिकारी की ओर से जांचाधीन " उत्पाद के निर्धारण में विधिक और तथ्यगत गंभीर त्रुटि हुई है । और यह कि आटोमोटिव और औद्योगिक बैटरी की व्यापक श्रेणी के भीतर बैटरी के प्रत्येक प्रकार पर यह मानते हुए अलग से विचार किया जाना था कि प्रत्येक को वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता ।

(ग) प्रतिस्थापन बाजार के लिए अलग से मामला बनाया जाना चाहिए था क्योंकि प्रतिस्थापन और ओ ई बाजार दो अलग-अलग और विशिष्ट प्रकार के बाजार होते हैं । यह प्रदर्शित करने के लिए साक्ष्य उपलब्ध किया गया था कि इसी आधार पर विश्व में अन्य प्राधिकारियों द्वारा जांच की गई है ।

(घ) माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस पद्धति का सतत अनुपालन किया है कि वास्तविक निर्यात के बौरे पाटनरोधी शुल्क लगाने से पूर्व अपेक्षित होते हैं । कानून के सुसंगत पद्धति के तहत यह अपेक्षित है कि भारत में विनिर्मित न की गई बैटरियों के संबंध में इसी प्रकार के जांच परिणाम वर्तमान मामले में भी निकाले जाने चाहिए ।

(ङ.) तदनुसार वर्तमान जांच के क्षेत्र को अनिवार्यतः भारत में विनिर्मित और भारत को निर्यातित बैटरियों के प्रकारों तक ही सीमित किया जाए ।

11. प्राधिकारी द्वारा जाँचः

(क) दिनांक 2/11/2001 को जारी जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया है:-

"विचाराधीन उत्पाद 'लैड एसिड बैटरियॉ' है । ..... लैड एसिड बैटरियॉ उप-शीर्ष 8507 के तहत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 85 के अंतर्गत आती हैं । बैटरियॉ का वर्णन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत इलैक्ट्रिक संचायक के रूप में किया जाता है तथा इन्हें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के कस्टम उप-शीर्ष सं 8507 एवं 8507.20 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है । सीमाशुल्क वर्गीकरण मात्र संकेतक है और जाँच क्षेत्र में बाध्यकारी नहीं है ।

(ख) जाँच आरम्भ करने संबंधी अधिसूचना में, यह भी उल्लेख किया गया था कि लैड एसिड बैटरियॉ से संबंधित ऑकड़े ईकाईयों की संख्या तथा मूल्य के अनुसार संकलित किए जाते हैं । परंतु मात्र ईकाईयों की संख्या अथवा मूल्य के अनुसार मात्रा निर्दिष्ट करने से पूरी तौर पर अर्थपूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं हो सकती हैं क्योंकि बैटरियॉ के विभिन्न मॉडलों/किस्मों के अलग-अलग शक्तियां, क्षमताएं, विमुक्ति दर, मूल्य इत्यादि होते हैं । यह भी उल्लेख किया गया था कि सीसे की मात्रा तथा बैटरी का भार और इसके सम्बद्ध लागतों, कीमतों एवं निष्पादन विशेषताओं यथा शक्ति धारिता, विमुक्ति दर इत्यादि के बीच परस्पर संबंध है । इसलिए ईकाईयों की संख्या तथा मूल्य के अनुसार उत्पाद को निर्दिष्ट करने के अलवा, सीसे की मात्रा, भार तथा क्षमता धारिता के अनुसार उत्पाद के संबंध में जानकारी होना भी लाभकारी होगा । उपर्युक्त वर्णित विशेषताओं से संबंधित सूचना की आवश्यकता विभिन्न मापदण्डों की गणना तथा तुलना हेतु होगी ।

(ग) प्रारंभिक जाँच परिणाम में, प्राधिकारी ने बैटरियॉ को दो श्रेणियों अर्थात् ऑटोमोटिव तथा औद्योगिक में बांटा है । ऑटोमोटिव बैटरियॉ को बाद में तीन श्रेणियों, अर्थात् रख-रखाव मुक्त, गैर रख-रखाव मुक्त तथा मोटर साईकिल में प्रविभाजित किया गया था । तथापि, जैसाकि ऊपर पैरा में उल्लेख किया गया कि ऑटोमोटिव तथा औद्योगिक बैटरियॉ के बहुत से मॉडल/किस्में हैं परंतु ये भौतिक तथा इलैक्ट्रिकल विशेषताओं, विर्भिमाण प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, विशिष्टताओं, वितरण एवं विपणन प्रबंध और टैरिफ वर्गीकरणों में तुलनीय हैं और इसलिए "समान वस्तु" की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं । ऑटोमोटिव तथा औद्योगिक बैटरियॉ के दो व्यापक श्रेणियों के मामले में, विनिर्माताओं के परिसर में जाँच के दौरान, पूर्ववर्ती जाँच में यह पाया गया कि कुछेक मामलों में औद्योगिक बैटरियॉ के विर्भिमाण हेतु सुविधाओं का उपयोग वाणिज्यिक मात्राओं में ऑटोमोटिव बैटरियॉ के उत्पादन हेतु किए जा रहे थे । इसलिए, प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद का वर्णन लैड एसिड बैटरी के रूप में जैसा कि प्रारंभिक जाँच परिणाम में निर्धारित किया गया था जारी रखने का निश्चय किया दै और यह भी कि याचिकाकर्ता कम्पनियों द्वारा उत्पादित लैड एसिड बैटरियॉ नियमों के अर्थ के नामांक संबंध देशों से आयात की जाने वाली लैड एसिड बैटरियॉ के समान वस्तु है ।

(घ) याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएँ संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु हैं। ऐसा कोई प्रतिकूल तर्क नहीं है कि संबद्ध देशों में विर्निमाण की जाने वाली वस्तुएँ तथा संबद्ध देशों से भारत में आयातित वस्तुएँ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित की जाने वाली लैड एसिड बैटरियों का प्रतिस्थापन नहीं कर रही हैं, सिवाय इस तर्क के कि निर्यातकों द्वारा उत्पादित की जाने वाली बैटरियों की कुछेक किस्में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं की जा रही हैं। इसलिए प्राधिकारी उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर निर्धारित करते हैं कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित लैड एसिड बैटरियां नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयात की जाने वाली लैड एसिड बैटरियों के समान वस्तु हैं।

(ड.) कुछेक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अपवर्जन के दावे के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लैड एसिड बैटरियों की कुछेक किस्मों के संबंध में जिन्हें निर्यातकों द्वारा उत्पादित होने का दावा किया गया था से संबंधित दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि यह मालूम हुआ कि वोल्टेज तथा एम्पीअर आवर के संबंध में समान विशिष्टता वाली बैटरियां घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं की जा रही हैं, फिर भी घरेलू उद्योग ने दूसरे किस्म की बैटरियाँ उत्पादित की हैं जो कि तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से तुलनीय तथा प्रतिस्थापनीय हैं।

(च) कुछेक किस्मों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया जाता है, कि वह कीमत जिस पर जाँच अवधि में बैटरियां आयात की गई थी, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित बैंच मार्क से अधिक थी। साथ ही, निर्यातक के संबंध में अधिमानित औसत पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया है। इस प्रकार, प्राधिकारी यह मानते हैं कि इनमें से किसी भी किस्म को पाटनरोधी शुल्क की सीमा से अलग रखना उचित नहीं होगा।

पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद और सभी प्रकार की लैड एसिड बैट्रियों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क को सीमाशुल्क टैरिफ 8507 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है। विभिन्न प्रकार की लैड एसिड बैट्रियों को (क) आटोमोटिव बैट्रियों और (ख) औद्योगिक बैट्रियों में वर्गीकृत किया गया है। हालांकि दोनों प्रकार की बैट्रियों को अनुरक्षण मुक्त और गैर अनुरक्षण मुक्त आटोमोटिव बैट्रियों में पुनः वर्गीकृत किया गया है परन्तु मोटर साइकिलों में प्रयुक्त बैट्रियों को अलग से वर्गीकृत किया गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि आटोमोटिव बैटरियां इस प्रकार की लैड एसिड बैट्रियां हैं जिन्हें सीमाशुल्क उप-शीर्ष 8507.10 के अंतर्गत यथा परिभाषित पिस्टन इंजिन स्टार्ट करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

#### ड. घरेलू उद्योग

(i) पाटनरोधी नियमों के नियम 2(ख) के अनुसार, 'घरेलू उद्योग का अर्थ है घरेलू उत्पादक जो समान वस्तु के विर्निमाण में तथा उनसे जुड़े किसी कार्य-कलाप में लगे हों अथवा वे जिनका कथित वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक

बड़ा अनुपात हो सिवाय इसके कि ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा वे स्वयं उनके आयातक हों, इस स्थिति में ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं समझे जाएंगे ।

(ii) ऊपर दी गई घरेलू उद्योग की परिभाषा को नियमों के नियम 5 द्वारा और स्पष्ट किया गया है । जो इस प्रकार है :-

..... आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से दिया गया माना जाएगा, यदि उसका उन घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थन किया जाता है जिनका सामूहिक उत्पादन घरेलू उद्योग के उस भाग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन का पचास प्रतिशत से अधिक हो, और जो आवेदन का समर्थन अथवा विरोध जैसी भी स्थिति हो, अभिव्यक्त करे ।

## 12. निर्यातकों के विचार:

### मैं ० सीएसबी बैटरी कं० लि० ताईवान तथा मैं० ताईवान यूआसा बैटरी कं०, ताईवान

(क) याचिकाकर्ताओं ने उत्पादन मात्रा तथा मूल्य के आधार पर अपनी स्थिति को सिद्ध करने का प्रयास किया है । यह उल्लेख किया गया है कि सिर्फ उत्पादन की मात्रा ही नहीं बल्कि उत्पादन मूल्य भी याचिकाकर्ताओं की स्थिति को निश्चित करने का समान रूप से मुख्य मानदण्ड है । इसके अतिरिक्त, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने स्थिति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ मूल्य को एक मानदण्ड के रूप में स्वीकार किया है । यह प्रस्तुत किया जाता है कि याचिकाकर्ताओं की स्थिति को निर्धारित करने हेतु अपनाया गया तरीका विषय से संबंधित कानूनी प्रावधानों अथवा न्याय के औचित्य द्वारा समर्थित नहीं है । स्थिति के संबंध में बाद में किए गए निवेदनों से उस त्रुटी का निराकरण नहीं होगा, जो कि पहले या जांच के समय हो चुकी है । दूसरे शब्दों में, मामला शुरू करने हेतु घरेलू उद्योग की स्थिति का निर्णय जांच शुरू करने से पहले किया जाना होता है ।

(ख) लघु बैटरी विर्मिमाताओं के प्रतिनिधि ने एक सुस्पष्ट विवरण प्रस्तुत किया कि वे भारत में लैड एसिड बैटरियों के कुल उत्पादन में उनका 48 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है । घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका के अनुसार, मात्र एक्साइड घरेलू उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है, जो यह संकेत देता है कि लघु क्षेत्र के बाहर अन्य कम्पनियां देश में कुल उत्पादन का 2 प्रतिशत से कम का प्रतिनिधित्व करती हैं । इसलिए, भारत में कुल उत्पादन में अपने हिस्से के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आंकड़े स्पष्टतया गलत हैं ।

(ग) स्थिति के निर्धारण के संबंध में, चूँकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उनके आवेदन में दिए गए विवरणों के आधार पर कार्यवाही की है, यह पूर्णतया स्पष्ट है कि याचिका दायर करने हेतु घरेलू उद्योग की स्थिति के निर्धारण में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा अनुमति किया गया है । स्पष्ट रूप से, निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास लघु क्षेत्र के उत्पादन (इस पहलू के संबंध में आवेदन में कोई उल्लेख नहीं है) संबंधी जानकारी नहीं थी न ही इनके पास याचिकाकर्ताओं के उत्पादन के बारे में सही सूचना थी । यह स्पष्ट है कि स्थिति का निर्धारण अधूरी तथा गलत सूचना

पर आधारित था और इसलिए इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। विभिन्न अदालतों के समक्ष प्राधिकारी की अपनी स्थिति यह रही है कि जांच शुरू करने से पहले स्थिति का निर्धारण किया जाना है। इस स्थिति को विविध डब्ल्यूटीओ पैनल निर्णयों में भी निर्धारित किया गया है। चूंकि पाटनरोधी नियमों के तहत इस महत्वपूर्ण दायित्व का उल्लंघन किया गया है, इसलिए मामले को इसी आधार पर समाप्त करने की आवश्यकता है।

(घ) घरेलू उद्योग की स्थिति को अटकल-बाजियों तथा अनुमानों ओर परिकल्पनाओं एवं पूर्वानुमानों के आधार पर सिद्ध करने का प्रयास किया गया है। यह देश में सीसे की खपत की किसी गणना पर आधारित है जिसकी जानकारी सिर्फ घरेलू उद्योग को है। कानूनी अपेक्षा यह है कि मुख्य तथ्यों तथा आंकड़ों को प्रस्तुत किए जाने की आवश्यकता होती है जो कि वर्तमान मामले में नहीं किया गया है।

### 13. प्राधिकारी द्वारा जांच

(क) प्रारंभिक अधिसूचना में यह कहा गया था कि याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज लि�0 और मै0 अमरा राजा बैट्रीज लि�0 और मैसर्स एमको बैट्रीज द्वारा दायर की गई थी। तथापि, प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध रिकार्डों के अनुसार मै0 एमको बैट्रीज लि�0 उन देशों से काफी मात्र में लैड एसिड बैट्रीज का आयात किया है जिनके विरुद्ध पाटनरोधी जांच शुरू करने की याचिका दायर की गई है। इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग की परिभाषा से मै0 एमको बैट्रीज लि�0 को अलग रखने का निर्णय लिया था।

(ख) यह भी तर्क दिया गया था कि मै0 एक्साइड इंडस्ट्रीज लि�0 ने लैड एसिड बैटरियों के कुछ मॉडलों का चीन से आयात किया है और इसलिए इसे घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र से अलग किया जाना चाहिए। तथापि, याचिकाकर्त्ताओं द्वारा यह निवेदन किया गया है कि एक्साइड इंडस्ट्रीज ने चीन से आयात किया है, जोकि वर्तमान मामले में विचाराधीन संबद्ध देश नहीं है।

उपरोक्त के मद्दे नजर जाँच अधिक के पश्चात् मै0 एक्साइड द्वारा चीन से किए गए आयात तथा इस मामले की शुरुआत की तारीख इस कंपनी को घरेलू उद्योग का हिस्सा बनने से प्रतिबंधित नहीं करती है।

(ग) जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया था कि 'घरेलू उद्योग द्वारा यह बताया गया है कि लैड एसिड बैटरियों के मामले में आंकड़े इकाईयों की संख्या के अनुसार संकलित किए जाते हैं। परंतु इकाईयों की संख्या के अनुसार मात्रा निर्दिष्ट करना भ्रामक हो सकता है क्योंकि अलग-अलग मॉडलों की अलग-अलग विद्युत क्षमता तथा मूल्य होते हैं। सीसे की मात्रा के अनुसार उत्पाद संबंधी सूचना प्रस्तुत करना लाभकारी होगा क्योंकि बैटरी की क्षमता तथा सीसे की मात्रा के बीच प्रत्यक्ष सहसंबंध होता है जिसे मूल्य अथवा कीमत के रूप में भी प्रदर्शित किया जाता है। बैटरी में सीसे की मात्रा तथा इसकी संबद्ध लागतों और कीमतों के बीच प्रत्यक्ष सह-संबंध भी पूर्णतया महत्वपूर्ण होता है। इसलिए, मात्रा, मूल्य तथा उत्पाद की सीसे की मात्रा का विभिन्न मापदंडों की गणना तथा तुलना के प्रयोजनार्थ मूल्यांकन करना अर्थपूर्ण होगा।'

(घ) यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की उनकी स्थिति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, याचिकाकर्त्ताओं द्वारा दिया गया तर्क भ्रान्तिपूर्ण है तथा परिकल्पनाओं से भरा है। यह बताया गया है कि भारत में सीसे का उत्पादन तथा खपत और भारत में लैड एसिड बैटरियों

के वास्तविक उत्पादन के बीच कोई संबंध नहीं है। याचिकाकर्ता बैटरी उत्पादन हेतु घरेलू सीसे का प्रयोग कर सकते हैं या नहीं भी कर सकते हैं, क्योंकि भारत में उत्पादित सीसा बैटरी उत्पादन हेतु तकनीकी रूप से उपयुक्त नहीं हो सकता है। इसके आधार पर, यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता ने अनुसार परिकल्पना पर भरोसा किया न कि पाटनरोधी कार्यवाहियों में अपने को घरेलू उद्योग के रूप में अहंता प्राप्त करने हेतु विश्वसनीय तथा सत्यापनीय आंकड़ों और अंकों पर। हालांकि घरेलू उद्योग के संबंध में याचिकाकर्ताओं की स्थिति के इस दावे को विवादास्पद बनाते हुए यह तर्क दिया गया है कि हितबद्ध पक्षकारों में से कोई भी तर्कसंगत आंकड़े का साक्ष्य के साथ यह सावित करने के लिए कि याचिकाकर्ता कम्पनियां याचिका दायर करने की स्थिति में नहीं है, आगे नहीं आया है। यहाँ, यह उल्लेख किया जा सकता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की याचिकाकर्ताओं की स्थिति के संबंध में निर्णय तक पहुंचने हेतु याचिकाकर्ता कम्पनियों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अतिरिक्त अन्य स्रोतों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी का भी उपयोग किया जाता है। सीसे की खपत संबंधी सूचना याचिकाकर्ताओं के अपने आंकड़ों पर आधारित नहीं है, परंतु इसे याचिकाकर्ताओं द्वारा स्वतंत्र स्रोतों से उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने इस जानकारी को प्रकाशित अन्य जानकारी के साथ सहसंबद्ध किया है, जो कि प्रमाणित करता है कि इसके लिए याचिकाकर्ताओं का दावा, सही तौर पर रुद्धिवादी आकलन के रूप में वर्णित किया जा सकता है। प्राधिकारी, इसलिए निर्धारित करते हैं कि याचिकाकर्ता कम्पनियां घरेलू उद्योग का एक बड़ा हिस्सा है और पाटनरोधी नियमों के प्रावधानों के अनुसार वे अपेक्षित स्थिति में हैं।

**(च) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन:**

14. धारा 9क (l) (ग) के तहत किसी वस्तु के सामान्य मूल्य का अभिप्राय यह है:-

(i) उपधारा (6) के तहत बनाये गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में समान वस्तु के उपभोग हेतु व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में यथा-निर्धारित तुलनीय कीमत, अथवा, जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रियां नहीं होती है, अथवा जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति अथवा कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियां उचित तुलना की अनुमति नहीं देती हैं, तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) उपधारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र अथवा तीसरे किसी उचित देश से निर्यातित समान वस्तु की यथा-निर्धारित तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत, अथवा (ख) उपधारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार स्रोत देश में प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों और लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ समान वस्तु की यथानिर्धारित उत्पादन लागत;

बशर्ते कि स्रोत देश को छोड़कर अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में तथा जब निर्यातक देश से वस्तु को मात्र यानात्तरित किया गया हो अथवा निर्यातक देश में वस्तु का उत्पादन नहीं किया जाता हो अथवा निर्यातक देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं हो, तो सामान्य मूल्य का निर्धारण स्रोत देश में इसके कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से निर्यातकों का जांच से संगत जानकारी तथा प्रस्ताव टिप्पणियां, यदि कोई हो, उपर्युक्त धारा के अनुसार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधि को भी लिखा। प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क (l) (ग) के अनुसार निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। ताईवान से निम्नलिखित निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए थे:-

- क. मै0 सीएसबी बैटरी कम्पनी, लि0, ताईवान
- ख. मै0 पाइलट बैटरी कं. लि., ताईवान
- ग. मै0 ताईवान युआसा बैटरी कं. लि., ताईवान

### 15. ताईवान

#### (क) मै0 सीएसबी बैटरी कं. लि., ताईवान

##### सामान्य मूल्य

- (i) प्रश्नावली के जवाब में मै0 सीएसबी बैटरी कं. लि. ताईवान ने घरेलू बाजार में विभिन्न प्रकार की लैड एसिड बैटरियों की बिक्रियों का बीजक-पार व्यौरा प्रस्तुत किया है। निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट-8, 9 तथा 10 के अनुसार विभिन्न प्रकार की बैटरियों की उत्पादन लागत भी प्रस्तुत की है। इसके अतिरिक्त, जांच की प्रक्रिया के दौरान निर्यातकों की परिशिष्ट-8, 9 तथा 10 में इंगित उत्पादन लागत को स्पष्ट करने तथा उसे जांच अवधि हेतु लेखा/लाभ पुस्तिकाओं एवं घाटा लेखा से मेल मिलाप करने को कहा गया था। निर्यात से सामग्री तथा उपयोगिता लागत का व्यौरा देने का भी अनुरोध किया गया था। तथापि, निर्यातक द्वारा स्पष्ट किया गया था कि इन परिशिष्टों में इंगित उत्पादन लागत मानकों पर आधारित है। निर्यातक इन परिशिष्टों के अंतर्गत यथा अपेक्षित विभिन्न शीर्षों के तहत निर्दिष्ट लागतों को प्रमाणित नहीं कर सका। निर्यातक ने यह भी स्पष्ट किया है उनके द्वारा यथा निर्धारित कुल लागत में कच्ची सामग्रियों का घटक अत्यधिक संवेदी है। इसलिए उनके लिए इसे जांच दल के समक्ष प्रकट करना संभव नहीं होगा। जांच प्रक्रिया के दौरान यह जिक्र किए जाने पर कि दावा की गई उत्पादन लागत वास्तविक उत्पादन लागत नहीं थी और जांच अवधि हेतु नहीं थी, जिससे निर्यातक ने इंकार नहीं किया है।
- (ii) चूँकि निर्यातक जांच अवधि हेतु उत्पादन लागत को लेखा/लाभ एवं हानि लेखा पुस्तिका से सामंजस्य उपलब्ध नहीं करा सका इसलिए यह मूल्यांकन करना संभव नहीं है कि निर्यातक की घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में है अथवा नहीं। प्राधिकारी यह मानते हैं कि वास्तविक उत्पादन लागत और जांच अवधि की लागत पर विचार करना इस जांच हेतु कि क्या घरेलू बिक्रियाँ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हैं, पहली और मुख्य अपेक्षा है। इसके अलावा, जानकारी की संवेदनशीलता के संबंध में निर्यातक के तर्क को प्राधिकारी द्वारा महत्व नहीं दिया जा सकता है। तदनुसार, प्राधिकारी यह मानते हैं कि निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ पूरी तौर पर सहयोग नहीं किया है और संगत जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है।

(iii) ताईवान के किसी अन्य निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। इस परिस्थितियों में इस निर्यातक के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास एक मात्र उपलब्ध विकल्प नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित सामान्य मूल्य का आकलन करना है। प्राधिकारी ने लैड एसिड बैटरी के सामान्य मूल्य का आकलन \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा किया है।

### निर्यात कीमत

प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यात के बीजक-वार/माडल-वार व्यौरे परिशिष्ट 2 में प्रस्तुत किए हैं। निर्यातक ने इसके समर्थन में बीजकों की प्रतियां भी प्रस्तुत की हैं। निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान रख रखाव मुक्त लैड एसिड बैटरियों का भारत को निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़े, स्टोरेज हैंडलिंग, बीमा, नौवहन प्रभारों इत्यादि के संबंध में परिशिष्ट 4 में समायोजनों का दावा किया गया है जिन पर विचार किया गया है तथा भारत में कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए उनकी अनुमति दी गई है। अतः प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणामों के लिए लैड एसिड बैटरी की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर/किग्रा निर्धारित की है।

ऊपर स्पष्टित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

ख. मै. पायलट बैटरी लि�0, ताईवान

### सामान्य मूल्य

(i) मै. पायलट बैटरी कं.लि. सिफ औद्योगिक लैड एसिड बैटरियों का विनिर्माण तथा निर्यात कर रहा है। सत्यापन की कार्रवाई के दौरान यह पाया गया था कि कंपनी ने उन दोनों प्रकार की बैटरियों जिनके भारत में निर्यात किए गए थे तथा जिनके भारत को निर्यात नहीं किए गए थे की घरेलू बिक्री का पूर्ण व्यौरा (बीजक/सौदा वार) प्रस्तुत नहीं किया है। इन व्यौरों के अभाव में विभिन्न बैटरियों की कारखाना द्वार पर घरेलू बिक्री प्राप्तियों का आकलन करना संभव नहीं हुआ था। कंपनी ने परिशिष्ट 3 के अनुसार विभिन्न प्रकार की बैटरियों की घरेलू बिक्री दूसरे देश को किए गए निर्यात तथा भारत को किए गए निर्यात का कुल मासिक व्यौरा प्रस्तुत किया है। निर्यातक ने जांच अवधि के लिए अपने बिक्री लेजर छाया प्रति भी प्रस्तुत की है जिससे बिक्री के सौदे वार/बीजक बार व्यौरों का पता चलता है लेकिन इससे घरेलू बिक्री तथा निर्यात इत्यादि के लिए बैटरी के किस्म वार व्यौरे अलग अलग प्रदर्शित नहीं होते हैं। इसके अलावा जांच की कार्रवाई के दौरान निर्यातकों से परिशिष्ट 8,9 तथा 10 में इंगित उत्पादन लागत का स्पष्ट करने के लिए कहा गया था तथा जांच अवधि के दौरान इसे खाता बही/लाभ तथा हानि खाते से मिलान करने को कहा गया था। निर्यातक द्वारा यह स्पष्ट किया गया था कि इन परिशिष्टों में इंगित उत्पादन लागत मानकों तथा प्रबंधन के पिछले अनुभव पर आधारित है। निर्यातक इन परिशिष्टों के अंतर्गत यथा अपेक्षित विभिन्न शीर्षों में इंगित लागत का मिलान खाता बही/लाभ तथा हानि खाते के साथ नहीं कर सका। निर्यातक ने यह भी स्पष्ट किया कि चूंकि उनके द्वारा इस प्रकार

निर्धारित कुल लागत में प्रदर्शित कच्ची सामग्रियों के संघटक अति संवेदनशील हैं, इसलिए उनके लिए जांच दल के समक्ष इसका खुलासा करना संभव नहीं होगा । तथापि, निर्यातिक ने अपने दिनांक 6 नवम्बर 2002 के पत्र द्वारा जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा विनिर्मित बैटरियों के विभिन्न माडलों/आकारों की कुल लागत खातों के साथ इसके ब्यौरों का विधिवत मिलान किए बिना प्रस्तुत की ।

(ii) अन्य देशों को किए गए निर्यात तथा घरेलू बाजार के लिए विभिन्न माडलों/प्रकारों में विधिवत अलग अलग किए गए सौदे वार ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए जाने तथा जांच अवधि के लिए उत्पादन लागत का मिलान खाता/लाभ तथा हानि खातों के साथ नहीं होने के परिपेक्ष्य में निर्यातिक की घरेलू बिक्री तथा क्या ये बिक्रिया व्यापार की सामान्य प्रक्रिया है अथवा नहीं का आकलन करना संभव नहीं है । तदनुसार प्राधिकारी यह मानते हैं कि निर्यातिक ने प्राधिकारी के साथ पूरी तरह सहयोग नहीं किया है तथा सभी संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । ताइवान के किसी अन्य निर्यातिक ने भी प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है । इन परिस्थितियों में इन निर्यात के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उपलब्ध एक मात्र विकल्प नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित सामान्य मूल्य का आकलन करना है । प्राधिकारी ने लैड एसिड बैटरी का सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा आकलित किया है ।

### निर्यात कीमत

प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातिक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यात के बीजक वार/माडल वार ब्यौरे परिशिष्ट 2 में प्रस्तुत किए हैं । निर्यातिक ने इसके समर्थन में बीजकों की प्रतिश्ता भी प्रस्तुत की है । निर्यातिक ने जांच अवधि के दौरान रख रखाव मुक्त लैड एसिड बैटरियों का भारत को निर्यात किया है । अंतर्देशीय भाड़े, स्टोरेज हैंडलिंग, बीमा, नौवहन प्रभारों इत्यादि के संबंध में परिशिष्ट 4 में समायोजनों का दावा किया गया है जिन पर विचार किया गया है तथा भारत में कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए उनकी अनुमति दी गई है । अतः प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणामों के लिए लैड एसिड बैटरी की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर/किग्रा निर्धारित की है ।

### ग. मै. ताइवान युआसा बैटरी कं.लि. ताइवान

(i) प्राधिकारी को प्रस्तुत अपने अनुरोधों में निर्यातिक ने विगत तीन वर्षों में कुल मात्रा तथा बिक्री राशि, बैटरियों के मूल्य से संबंधित ब्यौरे तथा वर्ष 2001 में भारत को किए गए निर्यात से संबंधित बीजकों की प्रति प्रस्तुत की है । निर्यातिक प्रश्नावली के अनुसार अपेक्षित सूचना निर्धारित प्रपत्र में नहीं दी गई थी । सार्वजनिक फाइल में रखे जाने वाले अनुरोधों के अगोपनीय सारांश भी नहीं दिए गए हैं ।

(ii) प्राधिकारी मानते हैं कि निर्यात ने प्राधिकारी के साथ पूरी तरह सहयोग नहीं किया है तथा सभी संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । ताइवान का ऐसा कोई दूसरा निर्यातिक भी नहीं है जिसने प्राधिकारी के साथ सहयोग किया हो ।

(iii) इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी ने निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का खुलासा नहीं किया है जबकि ऐसा करना आवश्यक था चाहे निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ पूरी तरह सहयोग नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क तथ्यपूर्ण नहीं है। प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए प्रकटण विवरण में पाटन मार्जिन का आकलन करने के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई जाने वाली प्रणाली से संबंधित खुलासा सम्मिलत है। यह खुलासा सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया है। जहां तक पाटन मार्जिन की परिकलन का खुलासा का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत दोनों के निर्धारण हेतु पर्याप्त सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। इसलिए निर्यातक ने प्राधिकारी को निर्यातक से संबंधित आंकड़ों के आधार पर इसके सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का आकलन करने से रोका है। ऐसा मामला होने के बजाए से निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का अलग अलग परिकलन नहीं किया गया था जिसका प्राधिकारी के समक्ष खुलासा किया जा सके।

(iv) इस परिस्थितियों में इस निर्यातक के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास एक मात्र उपलब्ध विकल्प नियम (8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित सामान्य मूल्य का आकलन उसी स्तर पर करना है जिस पर ताइवान के अन्य निर्यातक के लिए किया गया है। प्राधिकारी ने लैड एसिड बैटरी के सामान्य मूल्य का आकलन \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा किया है।

#### 16. ताइवान के अन्य निर्यातक

ताइवान के किसी अन्य निर्यातक ने जांच का उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने अन्य निर्यातक के लिए नियम 6(8) के अंतर्गत सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का आकलन किया है। जांच अवधि के लिए डी जी सी आई एंड एस द्वारा संकलित निर्यात संबंधी ब्यौरे को अपनाकर निर्धारित किए गए निर्यात कीमत को स्वीकार किया गया है। तदनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं का कारखाना द्वारा पर निर्यात कीमत \*\*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा निर्धारित किया है।

#### 17. सिंगापुर

##### सामान्य मूल्य

सिंगापुर के ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी गई थी। सिंगापुर के किसी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी नोटिस के उत्तर में किसी प्रकार की सूचना नहीं दी। सिंगापुर के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा सूचना उपलब्ध न कराने के महेनजर प्राधिकारी ने सिंगापुर के निर्यातकों को असहयोगी माना है। इन परिस्थितियों में सिंगापुर के सभी निर्यातकों के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास एक मात्र विकल्प नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का आकलन करना बघता है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का आकलन \*\*\* अमरीकी डालर किया है।

### निर्यात कीमत

चूंकि सिंगापुर के किसी निर्यातक ने पूर्ण जबाब नहीं दिया है, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सिंगापुर के सभी निर्यातकों के लिए डी जी सी आई एंड एस कोलकाता द्वारा सकलित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत को स्वीकार किया है। तदनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा निर्धारित की है।

### 18. हांगकांग

#### सामान्य मूल्य

हांगकांग के ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी गई थी। हांगकांग के किसी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी नोटिस के उत्तर में किसी प्रकार की सूचना नहीं दी। हांगकांग के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा सूचना उपलब्ध न कराने के मद्देनजर प्राधिकारी ने हांगकांग के निर्यातकों को असहयोगी माना है। इन परिस्थितियों में हांगकांग के सभी निर्यातकों के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास एक मात्र विकल्प नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का आकलन करना बचता है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का आकलन \*\*\* अमरीकी डालर किया है।

#### निर्यात कीमतः

चूंकि हांगकांग के किसी निर्यातक ने पूर्ण जबाब नहीं दिया है, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हांगकांग के सभी निर्यातकों के लिए डी जी सी आई एंड एस कोलकाता द्वारा सकलित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत को स्वीकार किया है। तदनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर प्रति किग्रा निर्धारित की है।

### ४ पाटन-सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना

#### 19. तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार व्यवस्था है:

(क) “पाटन मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के इसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी।

(ख) जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल हैं बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत की तुलना को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।

(ग) चूंकि बैटरियां अनेक माडलों प्रकारों की होती हैं इसलिए गणना तथा तुलना के प्रयोजनार्थ इनको एक सामान्य कोटि में लाने की आवश्यकता है। जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में उल्लेख किया गया

है तथा ऊपर भी बताया गया है, बैटरी की शक्ति लैड तत्व तथा भार के बीच प्रत्यक्ष सह संबंध है जो मूल्य अथवा कीमत के रूप में भी प्रदर्शित होता है। इसके अलावा बैटरी के लैड तत्व तथा भार के बीच प्रत्यक्ष सह संबंध तथा इसकी संबद्ध लागत तथा कीमत भी काफी महत्वपूर्ण है। इसलिए प्राधिकारी ने उनकी तुलना के प्रयोजनार्थ तथा क्षति मार्जिन निकालने के लिए सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत को बैटरियों के भार के रूप में कोटिबद्ध किया है। प्रत्येक देश के सभी निर्यातकों तथा विनिर्माताओं के लिए औद्योगिक बैटरियों रख रखवा मुक्त आटोमोटिव सील्ड बैटरियों अन्य रख रखवा मुक्त ड्राइ आटोमोटिव बैटरियों के लिए अलग अलग पाटन मार्जिन निकाला गया है।

(घ) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। में यथा निर्धारित सामान्य मूल्य निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन को शासित करने वाले सिद्धांतों को अपनाने की संगत नीति का अनुसरण कियाँ ऊपर उल्लिखित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर संबद्ध देशों के सभी निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जैसकि नीचे की सारणी में दिया गया है।

बैटरी के प्रकार	उत्पादक/निर्यातक	पाटन मार्जिन (%)
सिंगापुर		
1. औद्योगिक	सभी निर्यातक	250%
2. ऑटोमोटिव (एन एम एफ)	सभी निर्यातक	70%
3. आटोमोटिव (एम एफ)	सभी निर्यातक	70%
4. मोटर साइकिल	सभी निर्यातक	80%
हांगकांग		
1. औद्योगिक	सभी निर्यातक	271%
2. ऑटोमोटिव (एन एम एफ)	सभी निर्यातक	182%
3. आटोमोटिव (एम एफ)	सभी निर्यातक	182%
4. मोटर साइकिल	सभी निर्यातक	19%
ताइवान		
1. औद्योगिक	(क) सीएसबी बैटरी कं.लि. (ख) पायलट बैटरी (ग) सभी अन्य निर्यातक	17.71% 70.19% 44.87%
2. ऑटोमोटिव (एन एम एफ)	सभी निर्यातक	23.81%
3. आटोमोटिव (एम एफ)	सभी निर्यातक	23.81%
4. मोटर साइकिल	सभी निर्यातक	23.81%

उपर्युक्त पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमाओं के अधिक हैं।

यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि 'एम एफ' का अर्थ "रख-रखाव मुक्त" अर्थात् इलैक्ट्रोलाइट वाली उपयोग के लिए तैयार से है। "एन एम एफ" का अर्थ "गैर-रख-रखाव मुक्त" से है।

#### ज. क्षति और कारिणात्मक संबंध

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ में उल्लिखित क्षति के निर्धारण के सिद्धांतों में यह निर्धारित है कि:-

i क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होगी।

ii पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में काफी वृद्धि हुई है। नियम 19 के उप नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा काफी हद तक कीमतों में कमी लाना अथवा कीमत की उस वृद्धि को रोकना है जो कि अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती।

#### म. क्षति का संचयी मूल्यांकन

उपर्युक्त नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध-॥ ( iii) में यह व्यवस्था है कि जिस मामले में किसी उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से हुआ हो और उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन केवल तब करेगा जब वह यह निर्धारित करता है कि प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में तय किया गया पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3 प्रतिशत है अथवा जहां प्रत्येक देश का निर्यात 3% से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का 7% से अधिक बनता है और आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों का संचयी रूप से मूल्यांकन करना उचित है।

#### 20. घरेलू उद्योग के विचार

निम्नलिखित मानदंडों से यह सिद्ध होता है कि संबद्ध देशों से किए गए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंची है।

- (क) आयातों में संपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है।
- (ख) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के मूल्य में वृद्धि हुई है।
- (ग) भारत में उत्पादन और उपभोग के संबंध में आयातों में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है।

(घ) बैटरी की संख्या, उत्पादित बैटरियों के मूल्य और लैड की खपत के रूप में घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है।

(ङ.) भारत में संबद्ध वस्तु के आयात में संबद्ध देशों से हुए आयात का हिस्सा 1998-99 में हुए 24% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 39% हो गया (आयातों के मूल्य के रूप में)। बैटरियों की संख्या के रूप में भी यह हिस्सा 21% (98-99) से बढ़कर 48% (जांच अवधि) हो गया।

(च) बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है।

(छ) घरेलू उद्योग की उत्पादकता न्यूनाधिक रूप से रिहर रही है।

(ज) घरेलू उद्योग का निवेश से संबंधित लाभ कम हुआ है।

(झ) घरेलू उद्योग की लाभ प्रदत्त पर्याप्त रूप से विकृत हुई है।

(ञ) पाटित आयातों के कारण भारतीय बाजार में मूल्य में कटौती, कीमत ह्रास, कीमत में कमी और कम कीमत पर बिक्री हो रही है जिसके परिणाम स्वरूप लाभप्रदता में कटौती और घरेलू उद्योग के निवेश से संबंधित लाभ में कमी हो रही है।

(ट) घरेलू उद्योग के औसत ऋण धारकों में वृद्धि हुई है।

(ठ) घरेलू उद्योग की औसत भंडार सूचियों में वृद्धि हुई है।

(ड) घरेलू उद्योग के पास देश में मोजूदा कानूनों के अनुसार मजदूरियों में वृद्धि करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

(ढ) जांच अवधि में घरेलू उद्योग का नकद लाभ काफी कम हुआ है।

(ण) घरेलू उद्योग की लाभ कारिता में काफी कमी हुई जिसके परिणाम स्वरूप प्रत्यक्ष रूप से घरेलू उद्योग के प्रचालनों से नकदी प्रवाह में पर्याप्त कमी हुई।

(त) यद्यपि प्रत्येक कर्मचारी उत्पादित बैटरियों की संख्या के अनुसार उत्पादकता में वृद्धि हुई है परन्तु बैटरियों के मूल्य के अनुसार प्रति कर्मचारी उत्पादित बैटरियों के मूल्य में गिरावट (सीसे के अनुसार भी) आई है।

(थ) एक गांधिकार्ता कंपनी द्वारा क्षमता में वृद्धि कर दिए जाने के कारण रोजगार में वृद्धि हुई है।

(द) यद्यपि घरेलू उद्योग में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है परन्तु यह बाजार के अवसरों (मांग में वृद्धि) से कम है।

(घ) घरेलू उद्योग द्वारा बर्दाशत की जा रही क्षति के अलावा उन्हें पाटित आयातों के कारण और क्षति होने का खतरा है।

(न) सभी संबद्ध देशों में सृजित क्षमताएं घरेलू मांग से बहुत अधिक हैं। इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय बाजार में दूर संचार क्षेत्र के धवस्त हो जाने के कारण भारत संबद्ध देशों से निर्यातकों के लिए एक लाभप्रद बाजार बन गया है और निर्यातक पर्याप्त पाटित कीमतों पर भी सामग्री का निर्यात करने के लिए बाध्य है।

(प) जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में काफी अधिक दर पर वृद्धि हुई है जिसके कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का और भी खतरा बढ़ रहा है।

(फ) संबद्ध देशों के विनिर्माता और निर्यातकों के पास काफी अधिक फालतू क्षमताएं और भंडार हैं।

(ब) घरेलू उद्योग की गंभीर चिंता उस कीमत से संतुष्टि है जिस पर उत्पाद का आयात किया जा रहा है। वह कीमत जिस पर सामग्री का निर्यात किया जा रहा है, पाटित कीमत है। इसके अतिरिक्त यह सामग्री बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से बहुत कम कीमतों पर प्रवेश कर रही है।

इस प्रकार यह मालूम होगा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। आयातों के कारण वास्तविक क्षति होने का आगे भी खतरा है।

## 21. निर्यातकों के विचार

मे. सी एस बी बैटरी कं.लि., ताइवान और ताइवान युआसा बैटरी कंपनी, ताइवान

(क) पाटनरोधी नियमावली के अनुसार यह आवश्यकता है कि पृथक करने योग्य प्रत्येक उत्पाद श्रेणी अर्थात आटोमोटिव और औद्योगिक बैटरियों के लिए क्षति का विशेष रूप से निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एल ए बी 1 मामले में किए गए वर्गीकरण की दृष्टि से स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया जाए ।

(ख) प्रारंभिक जांच परिणामों में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के संबंध में न तो कोई सूचना दी गई है और न ही कोई विश्लेषण किया गया है । क्षति विश्लेषण के लिए यह एक अनिवार्य अपेक्षा है ।

(ग) क्षति का समस्त विश्लेषण जांच अवधि के आंकड़ों की वर्ष 1998-99 के आंकड़ों के साथ की गई तुलना के आधार पर किया गया है । इसका कोई कारण नहीं दिया गया है/इनकी तुलना तुरन्त बाद की अवधि, विशेष रूप से घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत याचिका के अनुसार अक्टूबर 2000 के महीने से, जब पाटन शुरू हुआ था, के साथ क्यों नहीं की गई है । यह स्पष्ट है कि यह तुलनाएं नाटकीय प्रभाव प्रदर्शित करने के लिए इस विशेष त्रुटिपूर्ण ढंग से की गई हैं ।

(घ) यह बताया गया है कि “हालांकि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन वर्ष 1998-99 की तुलना में 35% बढ़ा है परन्तु उसी अवधि के दौरान बिक्रियों में केवल 14% की वृद्धि हुई थी । इसके परिणामस्वरूप प्रति यूनिट बिक्री से कम वसूली हुई और घरेलू उद्योग की लाभकारिता में कमी आई है” यह देखा जा सकता है कि उपर्युक्त उद्देश्यों के दूसरे हिस्से में निकाले गए निष्कर्ष का इसी पैरा के पहले भाग में दिए गए तथ्यों/आधारों के साथ कोई संगति नहीं है ।

(ङ.) निष्कर्षों के समर्थन में कोई स्पष्ट विश्लेषण नहीं किया गया है अथवा कारण नहीं दिए गए हैं और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए बेतृके विवरणों पर विश्वास किया गया है जो कीमतों में कटौती और कीमत ह्रास के मुद्दों से संबंधित है । उचित स्पष्टीकरण का न होना पाटनरोधी नियमावली तथा डब्ल्यू टी ओ करार के अंतर्गत भारत के दायित्वों से पूर्ण छपेण प्रतिकूल है ।

(च) भंडार सूचियों के मुद्दे के संबंध में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मूल्यांकन करने की इकाई क्या है और क्या भंडार सूचियों में वृद्धि हुई है अथवा नहीं । बिना किसी पूर्वाग्रह के यह तर्क है कि क्षति विश्लेषण के सभी कारकों को उन पर टिप्पणी करने के अवसर प्रदान करने के सूचीबद्ध किया जाना चाहिए ।

(छ) क्षति के खतरे के संबंध में घरेलू उद्योग का मामला पूर्णतः कल्पनाओं और अनुमानों पर आधारित है । यह अनुमान लगाया गया है कि घरेलू उद्योग को क्षति का खतरा है । क्षति के खतरे के दावे के किसी मानदंड का कोई विश्लेषण नहीं किया गया है, एक भी मानदंड सिद्ध नहीं हुआ है अथवा किसी के लिए साक्ष्य नहीं दिया गया है ।

(ज) क्षति के खतरे का अनुमान इस आधार पर लगाया गया है कि निर्यातक इसका साक्ष्यों के साथ खंडन करने में विफल रहे हैं । यह न्यायिक प्रक्रिया के सभी सिद्धांतों के प्रतिकूल होगा कि क्षति के खतरे को सिद्ध करने के लिए याचिकाकर्ताओं ने कोई प्रथम दृष्टया प्रमाण भी नहीं दिया है परन्तु विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने तथ्य उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों पर जिम्मेदारी डाल दी है जिसमें विफल रहने पर यह मान लिया जाएगा कि क्षति का खतरा विद्यमान है । यह स्पष्ट रूप से कानून को गलत ढंग से प्रस्तुत करना है ।

(ज्ञ) एक याचिकाकर्ता मै. एकजाइड इंडस्ट्रीज ने चीन से बैटरियों की भारी मात्रा का आयात किया है। यह भी निवेदन किया गया था कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की स्थिति की जांच करने की आवश्यकता है चाहे आयातों का समय कोई भी हो। यह स्मरण किया जाए कि चीन एल ए बी-1 मामले में कथित पार्टित स्रोत था।

## 22. प्राधिकारी द्वारा जांच

(क) प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि पाटन का मार्जिन और संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा उपर्युक्त निर्धारित सीमा से अधिक है। ताइवान, हांगकांग और सिंगापुर से आयातों के प्रभाव का संबंधी मूल्यांकन उचित है क्योंकि इन देशों से निर्यात की कीमतें भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत कीमतों के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रही थीं और यहां के घरेलू उत्पादकों को विस्थापित कर रही थीं।

(ख) भारत में घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने ऐसे सूचकों पर विचार किया है जिनका उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-॥( iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभकारिता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि के रूप में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ा था।

(ग) पाटनरोधी जांच का विरोध करने वाले अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा बद्दित की जा रही क्षति और पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। यह तर्क दिया गया है कि दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों, अर्थात् मै. एकजाइड इंडस्ट्रीज लिंग और मै. अमरा राजा बैटरीज लिंग की वृद्धि और समृद्धि हो रही है और उनके प्राप्त न होने का कोई साक्ष्य नहीं है। यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है और लाभप्रदता को बनाए रखा जा रहा है। यह भी तर्क दिया गया है कि संबद्ध देशों से आयात की जा रही बैटरियों की तुलना में घरेलू उद्योग की गुणवत्ता घटिया है। यह भी तर्क दिया गया है कि मै. एकजाइड इंडस्ट्रीज लिंग ओर ई एम बाजार में बहुत कम कीमत पर बिक्री कर रहा है और प्रतिस्थापन बाजार में इन्हें ओर ई एम बाजार की कीमत से लगभग तीन गुणी कीमत पर बेचा जा रहा है। मै. एकजाइड इंडस्ट्रीज लिंग भी आयात कीमत से काफी कम कीमत पर डी जी एस एंड डी दर संविदा के अंतर्गत बिक्री कर रहा है। यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग अपनी स्थापित क्षमता से कहीं अधिक प्रचालन कर रहा है और भारतीय बाजार विशेष तौर से ऐसी कुछ श्रेणियों में जिनका उनके द्वारा बिल्कुल उत्पादन नहीं किया जा रहा है, की आवश्यकता को पूरा करने में असमर्थ है। अन्य तर्क यह है कि आयातित बैटरियों विशेषतः यू बी एस श्रेणी में अपने कार्य निष्पादन, रेज, सर्विस और विश्वसनीयता के कारण भारतीय बैटरियों की अपेक्षा अधिक पंसद की जाती हैं और आयातक सीमाशुल्कों की बहुत अधिक दरों का भुगतान भी कर रहे हैं। यह भी बताया गया है कि आटोमोटिव श्रेणी और विशेषतः ट्रेक्टर और वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में कमी के कारण मांग में कमी आई है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। अर्थव्यवस्था में औद्योगिक मंदी के कारण मांग में कमी और उपभोग के तरीके में परिवर्तन अनेक कंपनी विशिष्ट मानदंडों के अतिरिक्त घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने के कारण हैं।

(घ) प्राधिकारी ने अतिम निर्धारण करते समय क्षति से संबंधित सभी सूचकों को शामिल किया है। इसमें संगत तर्क अर्थात् पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और घरेलू उत्पादकों पर इसका परिणामी प्रभाव, उत्पादन, क्षमता उपयोग, लाभकारिता, निवल बिक्री वसूली आदि शामिल होंगे। घरेलू उद्योग के लिए समान वर्तु की गैर-क्षतिकारक कीमत का निर्धारण करते समय

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की ईष्टतम लागत पर विचार किया जिसमें परिकलित अति उत्तम खपत मानकों और जांच अवधि के दौरान कच्ची सामग्रियों की वास्तविक कीमत को ध्यान में रखा जाएगा जो विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में शामिल होंगे ।

(च) क्षति के अलग मूल्यांकन के संबंध में प्राधिकारी का मानना है कि अलग-अलग प्रकार की बैटरियों के लिए अलग मूल्यांकन उस सीमा तक किया गया है जहा तक घरेलू उद्योग द्वारा अलग से सूचना रखी गई है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि अनुबंध-॥ (vi) में यह प्रावधान है कि समान वस्तु के घरेलू उत्पादन के बारे में पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन तब किया जाना चाहिए जब उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादकों की बिक्रियाँ और लाभ जैसे मापदण्डों के आधार पर उपलब्ध आंकड़े उस उत्पादन की अलग अभिज्ञान की अनुमति देते हों । यदि इस तरह का अलग अभिज्ञान संभव न हो तो पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन उत्पाद के सबसे छोटे समूह अथवा रेंज के संदर्भ में करने की जरूरत होती है, जिसमें समान उत्पाद शामिल होता है जिसके लिए आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है । प्राधिकारी इस बात की भी पुष्टि करते हैं कि क्षति रहित कीमत और क्षति की गणना विभिन्न श्रेणियों के लिए पृथक क्षति रहित कीमत को निर्धारित करके की गई है जैसे आटोमोटिव रख-रखाव मुक्त, आटोमोटिव रख-रखाव युक्त, मोटरसाइकिल, इंडस्ट्रियल रख-रखाव मुक्त, इंडस्ट्रियल रख-रखाव मुक्त बैटरियां

### 23. वास्तविक क्षति

निम्नलिखित मापदण्डों से पता चलता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई हैं और पाटित आयातों से आगे भी क्षति होने का खतरा है ।

#### आयात और उनका बाजार हिस्सा:-

(क) डीजीसीआई एण्ड एस एवं गौण स्रोतों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संबद्ध देशों से आयात मूल्य के साथ-साथ बैटरियों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है । इसे निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:-

	1998-99		1999-2000		2000-2001		अक्तू 00 से सित 01	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
	सं0	रु./लाख	सं0	रु./लाख	सं0	रु./लाख	सं0	रु./लाख
ताइवान	164607	654.24	112942	412.58	606559	1893.26	623420	2353.47
हांगकांग	32553	22.33	53478	38.66	193100	247.98	663213	337.48
सिंगापुर	237084	318.41	115269	313.79	253371	707.47	79522	407.25
संबद्ध देश	434244	994.97	281689	765.73	1053030	2848.71	1366155	3098.20
रुझान	100	100.00	60.05	75.25	242.5	286.31	314.61	311.39
अन्य देश	1589691	3155.68	1763171	3397.34	2386833	6004.21	2010138	5053.62
रुझान	100	100.00	110.91	107.66	150.14	190.27	126.45	160.14
कुल आयात	2023935	4150.65	2944860	4162.37	3439863	8852.92	2855587	8010.91
आयात में बाजार हिस्सा								
संबद्ध देश	21.46	23.97	13.92	18.43	30.61	32.18	47.84	38.67

रुझान								
अन्य देश	78.54	76.03	76.08	84.57	69.39	67.82	70.39	63.08
रुझान								

(ख) घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में संबद्ध सामान के आयात बैटरियों की संख्या के साथ साथ बैटरियों के मूल्य के रूप में भी निम्नानुसार रहे हैं :-

	1998-99	1999-2000	2000-2001	जांच अवधि
उत्पादन के संबंध में आयात				
बैटरियों की संख्या	7.88	3.84	13.87	18.24
आयातों की सीआईएफ मूल्य	1.08	0.75	2.76	3.13

उपर्युक्त से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में आयातों में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि जहां आयातों का मूल्य सीआईएफ आयात कीमत से अधिक माना जाता है वहीं यदि आयातों के मूल्य पर मूल आयात शुल्क को अलग रखने के बाद विचार किया जाएगा तो भी उक्त हिस्सा अधिक होगा।

(ग) उत्पाद की माप के संबंध में संबद्ध सामान के आयात निम्नानुसार रहे हैं :-

	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि
आकलित मांग	100.00	108.14	114.38	115.22
संबद्ध देशों का हिस्सा	100.00	70.02	250.32	270.26
अन्य देशों का आयात	100.00	99.56	166.35	138.99
घरेलू उद्योग	100.00	100.21	97.62	98.06

उपरोक्त से यह पता चलता है कि देश में उत्पाद की मांग में आयातों का हिस्सा भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है।

(घ) उपर्युक्त तालिका से यह पता चलता है कि अपेक्षाकृत कम समय में आयातों में काफी वृद्धि हुई है और केवल बहुत अल्प समय में जिसमें आयात हुए हैं संबद्ध देशों से पाठित आयातों की वृद्धि दर भी अधिक है।

(ड.) संबद्ध वस्तुओं के आयातों की वृद्धि की दर घरेलू उत्पादन की वृद्धि दर से अधिक है ।

(ii) घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदण्ड

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदण्डों का विश्लेषण किया है । जिसे निम्न तालिका में दिखाया गया है:-

	1998-1999		1999-2000		2000-2001		अक्टू-00-सित, 01	
	संख्या	मूल्य	संख्या	मूल्य	संख्या	मूल्य	संख्या	मूल्य
क्षमता	100		89.15		99.66		105.28	
उत्पादन	100	100	123.34	108.36	137.82	111.65	140.75	112.98
लैड खप्त	100	100	115.06	114.57	120.68	118.00	122.58	121.58
विक्रिय	100	100	125.85	106.75	141.79	110.44	144.46	114.39
बिक्रियों की लागत		100		110.57		114.87		115.96
उत्पादन मूल्य		100		108.36		111.65		112.98
भण्डार सूचियां	100	100	99.43	108.59	85.94	114.89	107.2	148.73
कर्मचारी	100		101.12		109.08		109.7	
प्र0 कर्मचारी उत्पादकता	100		121.97		126.34		128.3	
प्र0 कर्मचारी उत्पादकता	100			107.16		102.36		102.99
लाभ/हानि		100		79.41		70.15		66.21
निवेश पर आय		100		66.49		53.04		50.95
नकद लाभ		100		89.44		86.50		82.89
प्र0 कर्मचारी मजदूरी	100			140		156		156
वृद्धि (पिछले वर्ष में % वृद्धि)		25.85	6.75	12.67	3.45	1.88	3.58	

उपरोक्तानुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि:-

(क) घरेलू उद्योग की क्षमता में आंशिक रूप से वृद्धि हुई है ।

(ख) घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री मात्रा में बैटरियों की संख्या और उत्पादन के मूल्य दोनों रूपों में वृद्धि हुई है । तथापि, यह पाया गया है कि उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है । इस प्रकार उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग को अपने लाभ में सुधार करने में कोई मदद नहीं मिली ।

(ग) हासाँकि बिक्रियों की लागत, उत्पादन का मूल्य और बिक्रियों के मूल्य में भी वृद्धि हुई है परन्तु बिक्रियों की लागत में वृद्धि बिक्रियों के मूल्य में वृद्धि से अधिक है। इसका प्रत्यक्ष परिणाम घरेलू उद्योग के लाभ में गिरावट आना है।

(घ) घरेलू उद्योग के साथ संबद्ध वस्तुओं की भण्डार सूची में वृद्धि हुई है।

(घ) घरेलू उद्योग के लाभ में काफी गिरावट आई है। उत्पादन और बिक्रियों की मात्रा में वृद्धि होने के बावजूद लाभ में कमी आई है।

(ङ.) कर्मचारियों की संख्या में आंशिक वृद्धि हुई है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उत्पादन में वृद्धि होने के कारण सुधार आया है। तथापि, उत्पादकता में वृद्धि होने के बावजूद बिक्रियों की मात्रा में बिक्रियों के मूल्य में हुई अधिक से अधिक वृद्धि हुई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग का लाभ प्रतिकूलतः प्रभावित हो रहा है।

(छ) निवेशों पर आय में महत्वपूर्ण कमी हुई।

(ज.) घरेलू उद्योग के नकद लाभ में भी गिरावट आई है, इस प्रकार नकद प्रवाह प्रतिकूलतः प्रभावित हो रहा है।

(झ) प्रति कर्मचारी मजदूरी में वृद्धि हुई है। तथापि, देश में प्रचलित श्रम कानूनों के कारण यह वृद्धि अधिक है। इसके अलावा, मजदूरी में हुई वृद्धि के कारण बिक्रियों की लागत में आगे और वृद्धि होगी, जबकि घरेलू उद्योग उत्पादकता और बिक्री मात्रा में वृद्धि होने के बावजूद अपने लाभ को बनाए नहीं रख सका।

(झ) घरेलू उद्योग की वृद्धि में गिरावट आई है।

(छ) संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को बिक्री की मात्राओं में काफी घाटा हुआ है। यह मालूम हुआ है कि एक ग्राहक मैं 0 ..... जो अपनी 100% आवश्यकता घरेलू ख्रीदारों से पूरी कर रहा था, ने संबद्ध देशों में निर्यातिकों से खरीद शुरू कर दी थी। वस्तुतः घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि कंपनी की संपूर्ण आवश्यकता पूरी की जा रही थी।

(झ) प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यातों के पहुंच कीमत, बिक्री वसूली, उत्पादन लागत, गैर क्षतिकारक कीमत और लैड एसिड बैटरियों के समान मामलों के घरेलू उद्योग के लाभ और हानि का विश्लेषण किया। इनके परिणाम निम्न तालिका में दिए गए हैं :-

## (iii) बिक्री कीमत में अत्यधिक गिरावट

(क) प्राधिकारी ने नोट किया कि ऐसी किस्म की औद्योगिक लैड एसिड बैटरियां जो प्रत्युत्तर दाता निर्यातकों द्वारा निर्यात की गई थी, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में बहुत अधिक गिरावट आई है जिसे निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

बैटरियों के प्रकार	1998-99	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि
ईपी शृंखलाएं इपी					
ईपी 4-6	100.00	94.41	98.60	88.11	87.69
ईपी 7-12	100.00	73.85	67.89	57.57	68.59
ईपी 10-6		100.00	94.41	97.35	91.10
ईपी 15-12	100.00	71.39	79.45	94.30	74.92
ईपी 24-12	100.00	103.61	55.92		55.32
ईपी 26-12	100.00	94.73	94.38	91.29	92.86
ईपी 38-12	100.00	102.19	-	-	49.66
ईपी 42-12	100.00	83.92	91.87	94.31	92.45
ईपी 65-12	100.00	85.43	98.46	90.14	93.19
ईपी 80-12			100.00		162.00
ईपी 100-12		100.00	85.46	85.37	82.62

(ख) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ आयातों के पहुँच मूल्य से यह मालूम हुआ, कि आयातों से बाजार में कीमतों की काफी अधिक कटौती हो रही थी। जिन आयातित बैटरियों से घरेलू बाजार में कीमतों में कटौती हो रही थी और जिनकी प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है, उन्हें नीचे दर्शाया गया है :-

	सीएसबी	पायलट
ईपी 4-6		****
ईपी 7-12	****	****
ईपी 10-6		****
ईपी 24-12		****
ईपी 26-12	****	****
ईपी 42-12	****	****
ईपी 65-12	****	****
ईपी 100-12	****	****

\* 6V-1.3AH

\* 6V-3.3AH

\* 6V-2.5AH

\* 6V-3.3AH

(ग) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ-साथ विशेष प्रकार के उत्पादन की लागत और प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत का विभिन्न किस्मों के लिए अधिमानी औसत लागतों के आधार पर विश्लेषण किया। इनके परिणाम इस प्रकार हैं :-

	लाभ/हानि %	क्या कीमत औसत लागत के आधार पर एनआईपी से अधिक है।
ईपी 4-6	(****)	****
ईपी 7-12	(****)	****
ईपी 10-6	(****)	****
ईपी 15-12	(****)	****
ईपी 24-12	(****)	****
ईपी 26-12	****	****
ईपी 38-12	(****)	****
ईपी 42-12	****	****
ईपी 65-12	****	****
ईपी 80-12	(****)	****
ईपी 100-12	(****)	****

(घ) प्राधिकारी ने यह नोट किया कि घरेलू उद्योग अधिकांश ऐसे माडलों की बिक्री कर रहा है जिन्हें संबद्ध देशों से घाटे में आयात किया जा रहा है। यह अधिकांश माडल प्राधिकारी इस औसत आधार पर निर्धारित गैर-क्षतिकारक कीमत से कम थे।

(ङ.) प्राधिकारी ने यह विश्लेषण किया कि औद्योगिक अनुरक्षण मुक्त बैटरियों के संबंध में घरेलू उद्योग की समस्त बिक्री के अनुसार इन माडलों का क्या प्रतिशत था। यह मालूम हुआ कि यह बैटरियों (जिनका आयात किया गया है) सकल औद्योगिक अनुरक्षण युक्त बैटरियों का लगभग (संख्या में) और (कारोबार में) हैं। इसी समय घरेलू उद्योग जिसके लिए विस्तृत विश्लेषण किया गया था, को बैटरियों की इन किस्मों में निवल घाटा हुआ है। जबकि कंपनी ने औद्योगिक क्षेत्र में समग्र लाभ अर्जित किया।

(च) उक्त विश्लेषणों से प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला कि उन किस्मों की बैटरियों जिनमें आयात किए जा रहे हैं, में घरेलू उद्योग या तो घाटा उठा रहा है अथवा उसकी लाभ प्रदत्ता काफी विकृत हो गयी है। इसी के साथ संभवतः घरेलू उद्योग बैटरियों की उन किस्मों में लाभ अर्जित कर रही है जिनका कोई आयात नहीं हो रहा है।

(छ) इन देशों में अत्यधिक उत्पादन की दृष्टि से इन स्रोतों से आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना भी है। यह भी नोट किया गया है कि संबद्ध देशों में फालतू क्षमता उपलब्ध है जो घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य निष्पादन के लिए चिन्ता का विषय हो सकती है अगर उन्हें पाठित मूल्यों पर

भारत को निर्यात करने के लिए उपयोग किया जाए। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण रूप से कीमत में कटौती विद्यमान है जिससे निर्यात में काफी वृद्धि होगी, ऐसी स्थिति में क्या पाटित कीमतों पर आयात जारी रहने चाहिए। संबद्ध देशों से आयातों के लिए एक बड़े भारतीय उत्पादक द्वारा आर्डर प्राप्त न होना इस दिशा में एक स्पष्ट साक्ष्य है।

(ज) प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमतों पर प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करना आवश्यक है कि भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के द्वारा कीमतों में महत्वपूर्ण रूप से कटौती तो नहीं हुई है, अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों में काफी मात्रा में कमी तो नहीं आई है। भारत में घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले कारकों जैसे कि उत्पादन, बिक्रियां स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति इत्यादि पर विचार किया है। क्षति और क्षति के खतरे के साक्ष्य के लिए अनेक मापदंड हैं, क्या वर्तमान पाटित कीमतों पर आयातों की अनुमति दी जानी चाहिए। संबद्ध देशों से जांच की अवधि के दौरान आयातों की वृद्धि पर और घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति और घरेलू उद्योग के लाभ में तदनुरूपी गिरावट ऐसे मापदण्ड हैं जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं। प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह निर्धारित किया जाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है और जांच अवधि के दौरान उसे आगे और क्षति होने का खतरा है।

(ट) कारणात्मक संबंध

24. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा है :-

- (i) ताइवान, हांगकांग और सिंगापुर से पाटित कीमतों पर हुए संबद्ध वस्तुओं के अत्यधिक आयातों के कारण घरेलू अपनी बिक्री कीमतों को अलाभकारी स्तर पर लाने के लिए बाध्य हुआ है जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती की स्थिति उत्पन्न हुई है।
- (ii) ताइवान, हांगकांग और सिंगापुर से हुए आयातों ने भारतीय बाजार में उत्पाद की कीमतों को उस सीमा तक कम कर दिया जिससे घरेलू उद्योग अपने उत्पादन की पूरी लागत वसूल करने और भारत में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से उचित लाभ अर्जित करने से वंचित हो गया।
- (iii) संबद्ध देशों से हुए आयातों ने घरेलू उद्योग को बिक्री कीमत में कमी करने के लिए बाध्य कर दिया जिसने इसकी लाभप्रदता को प्रतिकूलतः प्रभावित किया है।

25. अतः प्राधिकारी उपर्युक्त से यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम कीमत पर हुए थे। इसके अलावा भारत में आयात घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उचित आय प्राप्त

नहीं कर सका। ये मापदण्ड समग्र एवं संचयी रूप से यह इंगित करते हैं कि याचिकाकर्ता को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

**(ट) भारतीय उद्योग के हित**

26. पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो देश के सामान्य हित में है।

27. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों की मत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग के हास को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों से ताइवान, हांगकांग और सिंगापुर से आयात किसी भी तरह कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभव नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता अब भी आपूर्ति के दो अथवा इससे अधिक स्रोत रख सकेंगे।

**ठ. निष्कर्ष**

29. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (i) ताइवान, हांगकांग और सिंगापुर से भारत को लैड एसिड बैटरियों का निर्यात इनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और उसे आगे और क्षति होने का खतरा है;
- (iii) यह क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण हुई है।

30. प्राधिकारी घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के उद्देश्य से संबद्ध देशों से हो रहे लैड एसिड बैटरियों के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन का मार्जिन ऊपर पैराग्राफों में दिया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति का निर्धारण करने के उद्देश्य से आयातों की पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनियों की क्षति रहित कीमत से की गई है।

31. तदनुसार, प्राधिकारी उपर्युक्त पैरा में व्यक्त किए गए अभिमतों के अधीन अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क कोड 8507 के अन्तर्गत आने वाले लैड एसिड बैटरियों के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने

वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे यथा निर्धारित निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क की गणना करने के उद्देश्य के लिए प्राधिकारी ने रख-रखाव मुक्त बैटरियों से इतर आटोमोटिव बैटरियों के मामले में ड्राइ बैटरी के प्रति किग्रा ० भार और रख-रखाव मुक्त आटोमोटिव तथा औद्योगिक बैटरियों के मामले में भरी हुई और सील की गई बैटरी के कुल भार के प्रति किग्रा ० हेतु परिगणित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को परिवर्तित किया है। औद्योगिक बैटरियों के मामले में, चूंकि ड्राइ लैड एसिड बैटरियों के आयात का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है इसलिए रख-रखाव मुक्त सील बैटरियों पर लागू होने वाला शुल्क ड्राइ लैड एसिड बैटरियों पर भी लागू होगा। पाटनरोधी शुल्क नीचे दी गई तालिका के कालम-३ में उल्लिखित राशि और कालम-१ में नामित देशों के सभी निर्यातकों/विनिर्माताओं के लिए बैटरी के प्रति किग्रा आयात के पहुँच मूल्य के बीच का अन्तर होगा:-

बैटरी का प्रकार (i)	उत्पादक/निर्यातक (ii)	राशि आम०डालर प्र० किग्रा० में (iii)
<b>सिंगापुर</b>		
1. औद्योगिक	सभी निर्यातक	2.99
2. आटोमोटिव (एनएमएफ)	सभी निर्यातक	2.11
3. आटोमोटिव (एमएफ)	सभी निर्यातक	2.03
4. मोटरसाईकिल	सभी निर्यातक	3.69
5. सभी अन्य लैड एसिड बैटरियां/संचायक	सभी निर्यातक	3.69
<b>हांगकांग</b>		
1. औद्योगिक	सभी निर्यातक	2.99
2. आटोमोटिव (एनएमएफ)	सभी निर्यातक	2.10
3. आटोमोटिव (एमएफ)	सभी निर्यातक	2.03
4. मोटरसाईकिल	सभी निर्यातक	3.69
5. सभी अन्य लैड एसिड बैटरियां/संचायक	सभी निर्यातक	3.69
<b>ताइवान</b>		
1. औद्योगिक	क) सीएसबी बैटरी कं० लि०, ख) पायलट बैटरी ग) सभी अन्य निर्यातक	2.99 2.99 2.99
2. आटोमोटिव (एनएमएफ)	सभी निर्यातक	2.11
3. आटोमोटिव (एमएफ)	सभी निर्यातक	2.03
4. मोटरसाईकिल	सभी निर्यातक	3.69
5. सभी अन्य लैड एसिड बैटरियां/संचायक	सभी निर्यातक	3.69

यहाँ पर यह स्पष्ट किया जाता है कि एम एफ का अर्थ रख-रखाव मुक्त अर्थात् इलेक्ट्रोलाईट वाली का उपयोग के लिये तैयार से है। एन एम एफ का अर्थ गैर रख-रखाव मुक्त से है।

32. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के तहत सीमाशुल्क द्वारा यथा आंकित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए गए सीमाशुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

33. उमरोक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 5 अप्रैल, 2002 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं ।

34. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय व्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी ।

एल० बी० सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st January, 2003

### FINAL FINDINGS

**Subject :** Anti-dumping investigation concerning import of Lead Acid Batteries originating in or exported from Taiwan, Singapore and Hong Kong—Final Findings.

**No. 59/1/2001-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

#### A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:

- (i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide Notification No. 59/1/2001-DGAD dated the 5<sup>th</sup> April, 2002 with regard to Anti Dumping investigations concerning imports of Lead Acid Batteries originating in or exported from Taiwan, Singapore and Hong Kong and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
- (ii) The Authority forwarded a copy of the Preliminary Findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the Preliminary Findings within forty days of the date of the letter;
- (iii) The Authority also forwarded copy of the Preliminary Findings to the Embassies/High Commissions/Representatives of subject countries in New Delhi with a request to furnish their views on the Preliminary Findings;

- (iv) The Authority held a public hearing on 22<sup>nd</sup> July 2002 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry, importers and exporters from Taiwan. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions thus received from interested parties have been considered by Designated Authority in this finding;
- (v) The Authority made the public file available to all interested parties containing non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties, for inspection, upon request;
- (vi) Arguments raised by interested parties before announcing of Preliminary Findings, which have been brought out in the Preliminary Findings notified earlier have not been repeated herein for sake of brevity. However, arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt with in the Preliminary Findings and/or these findings;
- (vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- (viii) Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> October 2000 to 30<sup>th</sup> September 2001;
- (ix) \*\*\*\* in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.

**B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY:**

**2. VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY:**

- i. A number of parties who can not claim to be an interested party have been participating in the present investigation. The preliminary findings nowhere discloses participation by these interested parties before the preliminary findings were recorded
- ii. Relief has been granted in the preliminary findings to M/s. Panasonic Industrial Asia Pte. Ltd., Singapore and B B Battery Co. Ltd., Hong Kong, which is unjustified.
- iii. The provisions made under the Customs Tariff Act are uniformly applicable for all parties, whether domestic industry, exporters, importers or others. Exporters have resorted to unjustifiable claims on confidentiality.

- iv. The responding exporters/producers have not provided full information and have suppressed vital information from the Designated Authority. The action of the exporters tantamount to significantly impeding the investigations. Moreover, the action of the exporters is deliberate, conscious and willful. Under the circumstances, the Designated Authority is fully justified in disregarding the responses filed by the exporters and proceeding further on the basis of best available information.
- v. The exporters are trying to prevent the petitioners from effectively defending its interests by resorting to filing deficient information or claiming confidentiality to the information.
- vi. Petitioners have repeatedly demanded annual reports of the responding exporters. However, the same have not been made available to the petitioners. Principles of equity and natural justice demand that all interested parties should be provided the same level of defense. Petitioners have not been provided even complete non-confidential version of the responses filed by the exporters. Even letters filed by some of the parties have not been made available to the petitioners for offering their comments

### 3. VIEWS OF EXPORTERS

#### (a) M/S.PILOT BATTERY CO., LTD., TAIWAN:

- i. The exporter has submitted that the sealed maintenance free (SMF) batteries and ordinary type are different. There is no comparison between the two types. Accordingly both the types may be treated as separate classifications and material injury needs to be determined individually for both types.
- ii. They produce about 50 types of industrial batteries, which are not made by the Domestic Industry.
- iii. 80% of the companies worldwide have reported lower profits so does it conclude that there is worldwide dumping on all product groups.
- iv. No separate data has been submitted by the petitioners regarding imports and production of sealed maintenance free industrial batteries without which the material injury cannot be proved and this investigation remains incomplete.
- v. With large scale imports of SMF batteries by one of the petitioners, it is proved beyond doubt that the Domestic Industry cannot cater to the

demand in the market of this type of SMF battery and their claim of 'material injury' for this type of battery was false.

vi. The anti dumping levies have been imposed on all types and sizes of industrial sealed maintenance free batteries even though 85% of the international sizes are not manufactured in India.

(b) **M/S CSB BATTERY CO. LTD., TAIWAN AND TAIWAN YUASA BATTERY CO., TAIWAN:**

(i) **ACCURACY AND ADEQUACY OF INFORMATION AT THE TIME OF INITIATION:**

- (a) Rule 5 (2) provides that an application under sub-rule (1) shall be in the form as may be specified by the Designated Authority and the application shall be supported by evidence. The application which by law is required to be submitted in the prescribed Proforma only, has to be complete in all respects as the Proforma is prescribed under the Rules.
- (b) Vital information had been kept as confidential in violation of the instructions and Rules. Essential information with regard to the volume of imports had not been furnished to the Designated Authority. Further, the unit of measurement adopted by them was also not clarified. The comparative figures for the preceding years as well as the period of investigation were also not supplied to the Designated Authority.
- (c) Annexure I-9.1 though claimed to be enclosed was not been annexed to the application.
- (d) The inadequacy of the data is further reflected by the fact that the exporters are not able to make out from the non-confidential version of the petition as to what criterion has been adopted for determining the import statistics. It appears that varying criteria have been used by the domestic industry in the petition which clearly establishes that the petition was neither adequate nor accurate for the Hon'ble Designated Authority to have started an anti-dumping investigation.
- (e) Crucial information about the volume and value has been withheld. In the event, this information has been provided in the confidential version, the domestic industry ought to have given the non-confidential version of the same to them.

- (f) The petitioners have not answered Question No. 5 of Part II by not giving the size, description, models, etc. of the batteries produced by them.
- (g) In response to Question Nos. 7 & 8 of Part II, the petitioners have not provided adequate information. It needs to be appreciated that this information was absolutely essential particularly when the entire case has been made out on the basis of weight. Submissions of the domestic industry could not have been accepted on their face value in the absence of adequate information or *prima facie* evidence in support thereof.
- (h) The exporters have claimed that the non-confidential version of the petition was ambiguous. The copy of the petition made available to them appears to be on the basis of the data relating to six countries whereas the initiation was done only for three countries. If the application made available to them contains information in the context of six countries, then all their arguments and submissions would be rendered meaningless. In the absence of clarification and the right non-confidential version of the petition, their interests were seriously prejudiced. It was clarified that their request was only with respect to the non-confidential version of the petitioners and not to the initiation notification or the preliminary findings.

(ii) **CONFIDENTIALITY :**

Anti-Dumping procedures require that at each and every stage of the investigation process, the participating parties with opposing interest are given an opportunity to comment upon and confront other interested parties. In fact, Rule 6 and 7 enshrine this fundamental principle of the conduct of proceedings. The petitioners have been permitted to keep several crucial aspects of the investigation confidential without either putting an adequate summary in place or an expressed ruling by the Honorable Designated Authority. In particular, the most glaring misuse of this shroud of confidentiality is the product under consideration itself despite the fact that the domestic industry had the advantage of knowing the mind of the Designated Authority by virtue of the preliminary findings in the LAB-I case against Japan, Korea, China and Bangladesh.

(iii) **ASSESSMENT ON THE BASIS OF WEIGHT:**

- i. The Authority has deemed it appropriate to recommend provisional anti-dumping duties on a weight basis in this particular case. The

apparent reasons in support of this seem to be that Lead is a vital input and accurately reflects the cost of production of batteries and that the DGFT/DEPB practice is to provide incentive on weight basis.

- ii. The approach is erroneous as the DEPB basis of providing incentives on a weight basis cannot provide the basis for justifying imposition of Anti-Dumping Duty on a weight basis. The DEPB is an incentive scheme set up to promote exports from the Indian Industries and the same is granted on weight basis as the sole purpose is to reimburse the manufacturers/exporters for the duty on lead which is chargeable on weight basis. Furthermore, from a Value Basis, the DEPB incentive has migrated to a Quantity basis. Thus, incentives are provided on a quantity basis. To extrapolate this in to calculations of normal value and landed price in for anti-dumping purposes is inappropriate.
- iii. It would be pertinent to note that the Indian Standard Specifications for lead acid battery refer to the voltage and ampere-hour of the batteries. Imposition of anti dumping duty on the basis of weight is not appropriate, as the battery is an accumulator of power. The amount of power contained in a battery is expressed by its ampere hour capacity. A 12 Volt 100Ah battery has a higher power capacity than a 12 Volts 65Ah battery. Since, it is a storehouse of power, the obvious question is how long (in hours) can the battery drive a particular load (current in amperes). This parameter is expressed as the rate of discharge over a specified period of time and is referred as the discharge period.

**(c) M/S AIK KOON TYRE & BATTERY CO. PTE. LTD., SINGAPORE:**

M/s Aik Koon Tyre & Battery Co. Pte. Ltd., Singapore, have given their replies to the Designated Authority and have stated that they have never exported Lead Acid Batteries to India before.

**4. VIEWS OF IMPORTERS:**

Some of the importers and users such as M/s Union Sales Pvt. Ltd., M/s Monto Motors Ltd., M/s Orchid Electronics Ltd., M/s Kinetic Motor Co. Ltd., M/s Caterpillar India Pvt. Ltd., M/s Toyota Kirloskar Motor, M/s Birla Yamaha Ltd., and M/s Ashok Leyland Ltd., have responded to the questionnaire sent by the Designated Authority. Some of the views given by them are as follows:

- (i) India make batteries are not competitive in pricing as well as quality. It costs 30% to 40% more as compared to batteries available in Thailand – comparison made is on landed cost basis. We did not make any comparison of prices prevailing in Taiwan, Singapore and Hong Kong.

- (ii) Indian battery makers need to improve the competitiveness both in terms of price and quality and to be more competitive in the International Market. Automobile market is subjected for severe competition globally and hence inputs need to be competitive also.
- (iii) Domestic battery industry may get temporary relief or protection by way of imposing anti-dumping duty on imports, but in the long term will not help the industry. Such protection may not help to face global competition.
- (iv) Domestic battery industry should accept the competition and improve competitiveness for the survival and as not many players are in this field, volume should not be an issue for economic scale of operations.

**C. VIEWs OF INTERESTED PARTIES ON DISCLOSURE STATEMENT ISSUED BY THE DESIGNATED AUTHORITY:**

**5. VIEWs OF DOMESTIC INDUSTRY:**

- (a) Product under consideration is "Lead Acid Batteries" and therefore anti dumping duty is required to be imposed on any other form of lead acid batteries in addition to automotive and industrial types on which duties have been recommended in the preliminary findings. Such residual duty has to be at the highest level, keeping in view the principle of residual duty being applied by the Directorate. The word "automotive" and "industrial" while being extensively used in commercial parlance, do not appear in the customs definition. Therefore, the meaning of these words need be clarified in the final findings in order to prevent any abuse or misuse. No type of lead acid batteries is required to be excluded from the scope of anti dumping duty, as the domestic industry is offering like article to what is being imported.
- (b) The Designated Authority in the previous investigations on this product as also in the Preliminary Findings in the present investigations has recommended anti dumping duty on "automotive" and "industrial" batteries. However, even when anti dumping duty has been recommended on two types of lead acid batteries, no anti dumping duty has been recommended on the product under consideration itself. It has been the practice of the Designated Authority to recommend anti dumping duty on the residual form of the product under consideration in those cases where in the anti dumping duty is recommended on specific product types. It is, therefore, submitted that antidumping duty

is required to be recommended on "residual" form of the product and such anti dumping duty is required to be kept at the highest level, keeping in view the principle of residual duty adopted by the Designated Authority.

- (c) No anti dumping duty can be recommended in respect of trading companies. In any event, anti dumping duty on the combination of producers and trader have to be given on the basis of "producers and trader" rather than "producers or trader". The decisions of the Directorate in other cases is relevant in this regard.
- (d) Petition satisfies standing under the Rules. Opposing interested parties have, at best, made some unsubstantiated and unsupported claims, whereas the petitioners have established standing even after adopting adverse propositions.
- (e) The responses filed by CSB and Pilot have to be rejected given that the responses are incomplete and information filed inadequate. Under the present circumstances, the Designated Authority can not accept the cost of production claimed by the exporter and can not establish that the sales made were in ordinary course of trade. More disturbing is the reasons advanced by the exporter for not providing relevant information. Neither the argument of the exporter can be accepted as a justified claim nor the exporter has accorded due respect to the process being followed by the Designated Authority. In fact, the courtesy extended to the Designated Authority alone is sufficient to declare the exporter non-cooperative.
- (f) From the Disclosure Statement, it is very clear that M/s Pilot Batteries have not fully cooperated with the Designated Authority. The exporter has not furnished the data in the form and manner prescribed. The data provided, therefore, can not serve the purpose of determination of Normal Value. The exporter has not furnished transaction-wise details clearly showing models involved in each transactions. Moreover, the exporter has not sufficiently substantiated its cost of production. Such being the situation, it can be stated that the exporter has not sufficient cooperated with the Designated Authority and, therefore, the Designated Authority is fully justified in rejecting the response of the exporter, particularly with regard to determination of Normal Value.
- (g) Various parameters relating to injury to the Domestic Industry collectively and cumulatively establish that the Domestic Industry has suffered material injury and further that the imports are posing a threat of material injury to the Domestic Industry.

(i) The Preliminary Findings granted exemption to Panasonic and National Trading in case these companies exported batteries produced in China. Such exemption is illegal, as the Normal Value is now required to be ascertained with reference to the price prevailing in Singapore and / or Hong Kong and not with reference to the price prevailing in China. However, since these companies have not cooperated with the Designated Authority, the Designated Authority cannot determine Normal Value in respect of these companies. Thus, it has not been established by these companies that there was no dumping in respect of exports made by these companies. Such being the situation, no exemption can be granted to these trading companies in the present investigations.

6. **VIEWS OF IMPORTERS:**

**M/S. KINETIC MOTOR COMPANY LIMITED:**

They have not imported the Lead Acid Batteries from the countries under investigation, i.e. Taiwan, Singapore and Hong Kong. The decision in the present investigation may be taken considering justification to the Domestic Industry.

7. **VIEWS OF EXPORTERS:**

(i) **M/S. CSB BATTERY CO. LTD., TAIWAN:**

(a) The observation of the Hon'ble Designated Authority to declare CSB as a not fully cooperative party is incorrect. The exporter has claimed they have submitted all the information in the prescribed format from time to time to the Officers of the DGAD.

(b) The exporter has denied the contents of para 2.2 (a) of the Disclosure Statement by stating that the costs claimed by them is based on actuals and only selling expenses, R&D, Admin cost, Finance and Interest cost are based on the percentage allocation of the budgeted sales. The exporter has further submitted that the difference in the actual and budgeted cost are not apportioned to the respective heads but are adequately reflected in the annual financial statements under heading "Operating Expenses". It is claimed by the exporter that so far as the raw material and manufacturing expenses are concerned the statement supplied to the visiting team reflects the actual cost. The raw material break up in terms of lead and lead alloys was indeed supplied to the visiting team. The exporter has further stated that since the entire investigation was carried out on the basis of weight of the battery and lead content, the

information supplied by CSB would have served the purpose of carrying out the ' Ordinary Course of Trade' test.

- (c) The Authority has not informed the criteria adopted for determining the standing of the Domestic Industry to file petition.
- (d) The exporter has observed that M/s Exide has acquired 100 % of Chloride Batteries South Asia Pte, Ltd. in Singapore and it appears that this fact was suppressed from the Designated Authority. The said Company is admittedly a producer/exporter of the subject goods from Singapore, which is a country under investigation.
- (e) The Designated Authority has not addressed the issues raised by CSB that the ratios of the lead content and the weight of the battery vary significantly from producer to producer due to technological differences.
- (f) On the issue of weight, the Authority has completely failed to address our suggestion that the appropriate method would be to impose duties in terms of VAH (Volt X Ampere Hour) and not weight.
- (g) No information has been provided till date regarding the details of the calculations and how the final figures have been arrived at in respect of Normal Value and the Export Price .
- (h) It is incumbent upon the Hon'ble Designated Authority to carry out the injury analysis separately for industrial, MF automotive, NMF automotive and motorcycle batteries.
- (i) It has also been indicated that the rate of growth of imports of subject goods is more than the rate of domestic production. This analysis is not only irrelevant but is also not envisaged as one of the 15 factors for injury analysis under para (iv) of Annexure II.
- (j) From the balance sheet of Exide as well as Amara Raja, it is abundantly clear that both companies are doing exceedingly well on almost all parameters of financial performance except that there is a marginal fall in gross profit for Exide.
- (k) It may also be observed that Exide has increased new investments substantially in the year 2000-2001. It would, therefore, be commercially unacceptable for the Domestic

Industry to expect a high or even the same rate of return in the first year of its new investments. The Authority has not considered this aspect in the injury analysis.

- (l) As regards the so-called increase in inventories, it has not been clarified whether the same have increased in terms of value, weight or piece basis.
- (l) There is not even a whisper nor any indication in the Disclosure Statement about the market share of the imports or of the Domestic Industry which is an vital part of the injury analysis.
- (m) It has been indicated in the Disclosure Statement that there is threat of material injury for two reasons. First, during the period of investigation imports from the subject countries have increased at a significant rate. Second, there is also likelihood of substantially increased imports from these sources in view of huge production in these countries. Designated Authority is not permitted to make a case simultaneously for material injury as well as threat of material injury in terms of the opening para of Annexure II.

(ii) **M/S PILOT BATTERY CO. LTD., TAIWAN:**

- (a) It seems that the Authority had already decided that anti dumping duties must be imposed and does not wish to actually investigate the genuine grievances of the interested parties.
- (b) Under Industrial batteries, Sealed Maintenance Free batteries has to be classified separately. It is definitely not a "Like Article". We would like the Authority to appoint an expert technical committee to give their opinion on this matter.
- (c) The Petitioners and the Authority had directed all the investigations and notices regarding Taiwan only to CSB Battery Co. and Taiwan Yuasa Battery Co. The exports to India by Pilot were too negligible to warrant any action. They also gave unrestricted entry for the Authority to investigate all their books and were subjected to very intense scrutiny in our Taiwan Office. It is not fair that the authority takes advantage of their voluntary co-operation.
- (d) The entire matter of 'dumping' arises from the low unit value of imports and not from any particular country. The petitioners are being shielded for no genuine reason.

- (e) There are about 59 sizes of sealed maintenance free batteries produced by them, which are not in the manufacturing range of the petitioners. But unfortunately the Authorities have been led to believe otherwise by the petitioners. They request the Authorities and challenge the petitioners to publish actual production records/sales records of such sizes pertaining to the 'period of investigation'.
- (f) The petitioners also claim that all sizes of SMF batteries are interchangeable. This is totally false. They are misleading the Authority. We request the Authority to kindly let us know which locally produced SMF battery can be interchanged with a 2.3 ah – 12 v or a 1.2 ah- 12 V battery used in a 'heart-lung' machine.

(iii) **M/S. TAIWAN YUASA BATTERY CO., TAIWAN:**

If the Authority felt that the information provided was not as per the prescribed format the same could have been pointed out and they would have remedied the situation if an effective opportunity was provided. We also offer ourselves for verification by our team at any mutually convenient time. The information/evidence provided to this Hon'ble Designated Authority together with our reply to the petition, and rejoinder submissions be taken into consideration before recording Final Findings. Taiwan Yuasa Battery Co., have not dumped any of the subject goods to India. We are interested in fully cooperating with the Designated Authority in this regard and are still ready and willing to supply any information required under the Rules.

8. **EXAMINATION BY THE AUTHORITY:**

The submission made by the exporters, importers, domestic industry and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter. However, certain crucial issues raised by different interested parties have been examined as under:-

- (i) On the issue of confidentiality raised by the interested parties it is clarified that the information which is in the nature of confidential information can be claimed confidential. In line with the practice being followed by the Authority such information which has been claimed as confidential has been, allowed and treated as confidential information. Further information which has been claimed confidential and disclosure of which can cause significant adverse effect on the person supplying the information has also been treated as confidential.,

(ii) With regard to the ambiguity of the non confidential version of the petition it is evident from the Initiation notification that the petitioner have filed petition against a number of countries, however, the Authority found that the volume of imports from some of these countries was de minimus. Accordingly investigations were not initiated against all those countries against which the petition was filed.

(iii) It is noted that statistics in the case of lead acid batteries are compiled in terms of number of units. But denoting the volume in terms of number of units may not be quite meaningful information because different models/types of the batteries have different cost and prices. It was further stated that there is a correlation between the lead content and the weight of the battery and its associated costs, prices and performance characteristics such as power capacity, rate of discharge etc. Therefore, apart from denoting the product in terms of unit and value, it will be useful to have the information on the product in terms of lead content and weight of the battery as there is a correlation between power and lead content of the battery which also gets reflected in terms of value or price. An almost direct relationship between the weight of the battery, its power and the cost of production were other factors that led to the decision of taking the weight of the battery for determination of the reference price/value for the purpose of calculation of applicable anti dumping duty recommended by the Authority in the Preliminary Findings.

(iv) It has been argued that the standard practice in the battery industry is to classify lead acid battery in terms of number of types/models on the basis of specifications such as dimension, number of plates, voltage, ampere hour (AH), length of life etc.. The specifications vary depending on AH rating, voltage, discharge characteristics, and discharge period. As the specification or capacity vary, so does the weight of the battery including its lead contents. It has also been argued that this standard practice is followed by the petitioners also in the commercial transactions and they have misguided the Designated Authority to assess the anti dumping duty on weight basis. In making comparison between two batteries, the AH capacity, voltage, discharge period, discharge characteristics, charging characteristics, life of battery, climatic conditions and nature of use have to be taken into consideration. Further, it has been stated that the prices of batteries also vary according to specifications and also cost per Kg. of automotive battery weight falls as the size (capacity) of a battery increases.

(v) As stated above, there are a large number of parameters effecting the cost, price and performance of batteries of different specifications. The interested parties have brought in about ten such parameters. Also there are a large number of types/models of automotive and industrial batteries having different specifications that are produced and sold. It is not possible to recommend duties separately for each of these types/models of the battery being produced or likely to be produced in future. However in the course of investigation and verification of the facilities of the manufacturers, it was confirmed that lead weight and battery weight are two important parameters for any battery which can be used as common denominators for the purpose of comparison and calculation. Other criteria such as discharge characteristics, life of the battery etc., are not easily quantifiable and have the problems of comparison. On the basis of the evidence available before the Authority, the Authority holds that assessment of different types of batteries in terms of weight for the purpose of imposition of duty is most appropriate and has decided to continue with its earlier determination on the basis of the weight.

(vi) With regard to the claim of M/s Taiwan Yuasa Battery Co., regarding submission of complete information, the Authority notes that the exporter has not submitted complete information as solicited in the exporter' questionnaire. The exporter not furnished information with regard transaction wise sale in the domestic market as also export to India required under Appendix 1 & 2 which is a pre condition to assess the Normal Value and Export Price and consequently the Dumping Margin. No information in Appendix 7 is provided. The cost of production provided in Appendix 8 was not in the prescribed format. Accordingly the Authority holds that the information filed by the exporter is grossly insufficient an adequate to determine individual dumping margin and is constrained to treat the exporter as non cooperative.

(vii) With regard to the claim of M/s CSB Battery Co. Taiwan on submission of the cost data on actual basis to the Authority and its verification by the visiting team the Authority holds that the statement is not based on facts. From the responses received so far from the exporter it is not clear whether the exporter has furnished cost information for the period of investigation or for the Annual Financial period which was different from the period of investigation. The exporter in its response has claimed that the selling exps, R&D, Admin cost, Finance and Interest are

based on percentage allocation of the budgeted sales meaning thereby that the cost of these elements is not even based on actual sales. If the exporter has not absorbed and reflected the variance between the actual cost and the cost based on budgeted sales to different models how it can be claimed that the cost of different models is based on actuals. The exporter did not provide element wise break-up of different materials used in the manufacture of different models of batteries. The Material cost and other elements of costs has been reflected only as a percentage of the sales realisation. It was never shown to the investigation team how the costs so indicated in the cost sheet has been arrived at from the books of account / profit & loss account of the company. The exporter also could not provide satisfactory reply to the verification team as to whether the cost claimed in the Appendix 8,9 and 10 is based on the records for the period of investigation or based on the data for a different period. Mere statement at the end of the verification that the cost so indicated is based on actuals cannot conclude that the cost is so based as it is obligatory on the part of the exporter to get the same verified to the verification team from the books of accounts / profit & loss for the period of investigation. This was never done by the exporter during the course of verification. In response to the Disclosure Statement the exporter has still not clarified that the cost so claimed by him is for the period of investigation or not. In view of the reasons given above it is concluded that the exporter has not co-operated with the Authority during the course of verification at their premises and hence in the absence of basic cost data for the period of investigation the Authority could not assess whether the sales made by the exporter in the domestic market was in ordinary course or not.

(viii) With regard to the observation of M/s. CSB regarding acquisition of Chloride Batteries South Asia Pte. Ltd, Singapore by M/s Exide the Authority holds that this issue has been raised by the exporter first time. Clarifications in this regard from M/s. Exide Industries Ltd. and M/s. Chloride Batteries show that although M/s. Chloride is a 100% subsidiary of M/s. Exide but the same has no manufacturing facility and have not exported any lead acid storage batteries to India since April, 2000 till today except two pieces of sample batteries. Therefore the Authority holds that this affiliation does not debar M/s Exide from filing this petition

D. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLES:**9. **VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY:**

- (i) The product under consideration in the present investigation is "Lead Acid Batteries" irrespective of its capacity, size, type etc. Further, the issue of product under consideration has already been discussed at length by the Designated Authority in the previous investigations. Such being the case, there can not be any argument on this issue.
- (ii) Goods produced by the domestic industry are like article to the goods imported from the subject countries.
- (iii) Exclusion of certain types demanded by Pilot is uncalled for as:

- (a) some of these batteries have not been exported to India by the company in the investigation period;
- (b) the domestic industry makes either identical or closely resembling models to the models exported by Pilot in the investigation period;

10. **VIEWS OF EXPORTERS:**

**M/S. CSB BATTERY CO. LTD., TAIWAN AND M/S. TAIWAN  
YUASA BATTERY CO., TAIWAN**

- a. The domestic industry has been wrongly allowed to define the product under consideration in the broadest possible manner, without identifying the sub-grouping i.e., Industrial and Automobile (Maintenance Free and Non-maintenance Free) and Motorcycle
- b. For the purpose of this anti dumping investigation, product under consideration and like article, each type of battery should be taken separately because "like product" means "identical product", "alike in all respects" which can be substituted in commercial transaction and in practical use. It has further been argued that for all practical purposes, each type of lead acid battery is a separate "product". The Authority has erred in accepting the argument of the petitioners that the battery of all types should be amalgamated into one category of lead acid battery by calculating the lead content of the batteries and weight. By accepting all types of batteries which are not commercially substitutable there has been a serious error on law and on fact on the part of the Designated Authority in determining the "product" under investigation and further that each type of battery within the broader category of automotive and industrial battery should have been taken

separately considering that each can not be commercially and technically substituted.

- c. The case should have been made out separately for the replacement market as the replacement and the OE markets are two separate and distinct markets. Evidence was provided to show that the investigations have been done by other authorities in the world on the same basis.
- d. The Hon'ble Designated Authority has consistently followed this practice that actual exports are required prior to imposing anti-dumping duties. A consistent approach in the law requires that a similar findings on batteries not manufactured in India should also be made in the present case.
- e. Accordingly, the scope of the present investigation be necessarily limited to the types of batteries manufactured in India and exported to India.

11. **EXAMINATION BY THE AUTHORITY:**

- (a) The initiation notification issued on 02-11-2001 states as under:-

*"the product under consideration is 'lead acid batteries'. ....Lead Acid Batteries fall within Chapter 85 of the Custom Tariff Act under the sub-heading 8507. The batteries are described as electric accumulators under the Customs Tariff Act and are classified under customs sub heading Nos. 8507.10 and 8507.20 of the Customs Tariff Act. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation".*
- (b) In the Initiation Notification, it was also mentioned that the statistics in case of lead acid batteries are compiled in terms of number of units and value. But denoting the volume in terms of number of units or value alone may not provide quite meaningful information because different models/types of the batteries have different power capacity, rate of discharge, value, etc. It was further stated that there is a correlation between the lead content and the weight of the battery and its associated costs, prices and performance characteristics such as power capacity, rate of discharge etc. Therefore apart from denoting the product in terms of number of units and value, it will be useful to have the information on the product in terms of lead content, weight and power capacity also. The information on the characteristics mentioned above will be required for the purpose of calculation and comparison of various parameters.

(c) In the Preliminary Findings, the Authority has divided the batteries into two categories, i.e. automotive and industrial. The automotive batteries were further sub-divided into three categories, viz. maintenance free, non maintenance free and motorcycle. However, as stated in the Para above that within automotive and industrial batteries, there are large number of models/types but these types are comparable in terms of physical and electrical characteristics, manufacturing process, technology, functions and uses, specifications, distribution and marketing arrangements and tariff classifications and hence fall within the definition of 'Like Article'. Even within the two broad categories of automotive and industrial batteries, in the course of verification at the premises of the manufacturers, it was found that in some cases the facilities for manufacture of industrial batteries were being used for production of automotive batteries in commercial volumes. The Authority, therefore, has decided to continue with the description of product under consideration as Lead Acid Battery as determined in the Preliminary Findings and also that the Lead Acid Batteries produced by petitioner companies are like articles to the Lead Acid Batteries being imported from subject countries within the meaning of the Rules.

(d) The petitioners had claimed that the goods produced by them are like article to the goods originating in or exported from subject countries. There is no argument to the contrary stating that the goods being manufactured in subject countries and imported into India from the subject countries are not substituting the lead acid batteries being produced by the domestic industry, except to the argument that certain types of batteries being produced by the exporters are not being produced by the domestic industry. On the basis of evidence available, the Authority therefore determines that the lead acid batteries produced by the petitioners are 'like articles' to lead acid batteries being imported from the subject countries within the meaning of the Rules.

(iii) With regard to claim of exclusion made by certain interested parties, the Authority notes that the claim can not be accepted as in case of certain types of lead acid batteries as claimed to be produced by the exporters, it was found that even though batteries meeting the same specification with regard to voltage and ampere hours is being not produced by the domestic industry, yet, the domestic industry has produced another types of batteries, which are comparable and are substitutable, technically and commercially.

(iv) It is also noted by the Authority that in respect of certain types, the price at which the batteries were imported in the investigation period were above the bench mark fixed by the Authority. At the same time, weighted average dumping margin in respect of the exporter is found more than de-minimus. Thus, the Authority holds that it would not be appropriate to exclude any of these types from the purview of anti dumping duty.

In view of the foregoing the Authority holds that product under consideration in the present investigations and proposed anti dumping duty is all types of "lead acid batteries", classifiable under Customs Tariff 8507. The various types of lead acid batteries are classified into (a) automotive batteries and (b) industrial batteries. While both the types of batteries have been further divided into maintenance free and non maintenance free, automotive batteries used in motorcycle have also been separately classified. It is clarified that " automotive batteries" are those types of lead acid batteries which are used for starting piston engine, as defined under customs sub heading 8507.10.

#### **E. DOMESTIC INDUSTRY:**

(i) As per Rule 2(b) of the Anti Dumping Rules, "domestic industry means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry."

(ii) The definition of Domestic Industry given above is further clarified by Rule 5 of Rules which reads as follows:-

"----- the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition as the case may be to the application.

#### **12. VIEWS OF EXPORTERS:**

##### **M/S. CSB BATTERY CO. LTD., TAIWAN AND M/S. TAIWAN YUASA BATTERY CO., TAIWAN**

(a) The petitioners have tried to establish their standing on the basis of production volume as well as value. It has been stated that not only

production volume but also the production value is an equally important criterion to decide standing of the Petitioners. Further, the Designated Authority has accepted value as a criterion for the purpose of determination of standing. It is submitted that methodology adopted to determine standing of the petitioners is not supported by the legal provisions or the jurisprudence on the subject. Subsequent submissions with regard to standing will not cure the defect, which have occurred prior to or at the time of initiation. In other words, standing of the domestic industry to initiate a case has to be judged prior to initiation.

- (b) The representative of the small scale battery manufacturers made a categorical statement that they represent 48% of the total production of lead acid batteries in India. As per the petition submitted by the domestic industry, Exide alone represents over 50% of the domestic production, which would imply that the other companies outside the small scale sector account for less than 2% of the total production in the country. Therefore, the figures supplied by the domestic industry with regard to their share in the total production in India are clearly incorrect.
- (c) On the determination of standing, since the Designated Authority has proceeded on the basis of the statements made by the domestic industry in their application, it is abundantly clear that the Hon'ble Designated Authority has been misled by the domestic industry in its determination of the standing of the domestic industry to file the petition. Apparently, the Designated Authority did not have the information about the production by the small scale sector (application is silent on this aspect) nor did it have the accurate information about the production by the petitioners. It is clear that the determination of the standing was based on incomplete and inaccurate information, and therefore, cannot be sustained. The Authority's own position before various courts has been that the standing has to be determined prior to initiation of the investigation. This position has also been settled in several WTO panel decisions. Since this important obligation under the Anti-dumping Rules has been violated, the case needs to be terminated on this ground alone.
- (d) The standing of the domestic industry has been attempted to be established on the basis of conjectures and surmises and on presumptions and assumptions. It is based on some calculation of the lead consumption in the country which only the domestic industry is

aware of. The legal requirement is that hard facts and figures are required to be submitted which has not been done in the instant case.

**13. EXAMINATION BY THE AUTHORITY:**

(a) It was stated in the Initiation Notification that the petition has been filed by M/s. Exide Industries Limited, M/s. Amara Raja Batteries Limited and M/s Amco Batteries Limited on behalf of the domestic industry. However as per the records available before the Designated Authority M/s Amco Batteries Limited have imported significant quantities of lead acid batteries from the countries against whom petition for initiation of anti dumping investigation has been filed. The Authority, therefore, had decided to exclude M/s Amco Batteries Limited from the definition of the Domestic Industry as per the Anti Dumping Rules.

(b) It was also argued that M/s Exide Industries Ltd. have made import of certain models of lead acid batteries from China and, therefore, should be excluded from the purview of domestic industry. In this context that Authority notes that M/s. Exide has imported Lead Acid Batteries from China after the period of investigation. It is, further noted that China is not the subject country under investigation in the present case. In view of the above, the imports from China by M/s. Exide after the period of investigation and date of initiation of this case does not debar the company from forming part of the Domestic Industry.

(c) It was recorded in the Initiation Notification that "it has been stated by the domestic industry that the statistics in the case of lead acid batteries are compiled in terms of number of units. But denoting the volume in terms of number of units may be misleading because different models have different power capacity and value. Apart from denoting the product in terms of units and value, it will be useful to have the information on the product in terms of lead content as there is a direct correlation between power and lead content of the battery which also gets reflected in terms of value or price. The direct correlation between the lead content in the battery and its associated costs and prices is also quite significant. It will, therefore, be meaningful to assess the volume, value as well as lead content of the product for the purpose of calculation and comparison of various parameters".

(d) It has been stated that the arguments given by the petitioners for the purpose of determination of their standing to file the petition on behalf of the domestic industry are erroneous and full of presumptions. It has been stated that there is no relationship between lead production and consumption in India and the actual production of lead acid batteries in India. Also the petitioners may use or may not use domestic lead for battery

production, as lead produced in India may not be technically suitable for battery production. On this basis, it is argued that the petitioner relied on assumption, presumption and not reliable and verifiable data and figures to qualify themselves as domestic industry in the anti dumping proceedings. Though arguments have been made disputing this claim of standing of the petitioners on domestic industry, none of the interested parties has come up with any evidence with justifiable data proving that the petitioner companies do not have the standing to file the petition. Here, it may be mentioned that the Authority has also used the information provided by sources other than the petitioner companies for arriving at a decision regarding the standing of the petitioners to file the petition on behalf of the domestic industry. The information with regard to consumption of lead is not based on petitioners own data, but is provided by the petitioners from independent sources. Moreover, the Authority has correlated this information with the other published information, which further establishes that the claim of the petitioners on this account, at best, can be described as conservative estimate. The Authority, therefore, determines that the petitioner companies account for a major proportion of the domestic industry and have the requisite standing in terms of the provisions of the Anti Dumping Rules.

**F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:**

14. Under Section 9A(1)( c), normal value in relation to an article means:-

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-

  - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (b) The cost of production of the same article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The Authority provided opportunity to the exporters from subject countries to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassies/High Commissions/Representative of subject countries in India also. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of export price and normal value in accordance with Section 9A(1) (c) of the Custom Tariff Act. Responses were received from the following exporters from Taiwan:-

- a. M/s CSB Battery Co. Ltd., Taiwan,
- b. M/s Pilot Battery Co. Ltd., Taiwan,
- c. M/s Taiwan Yuasa Battery Co. Ltd. Taiwan.

15. **TAIWAN:**

(a) **M/S CSB BATTERY CO. LTD., TAIWAN:**

**NORMAL VALUE:**

- i. In response to the questionnaire M/s. CSB Battery Co. Ltd., Taiwan has submitted invoice-wise details of sales of different types of lead acid batteries in the domestic market. The exporter has also furnished the cost of production of different types of batteries as per Appendix –8,9 and 10 of the exporter questionnaire. Further, during the course of verification the exporter was asked to explain the cost of production indicated in Appendix-8,9 and 10 and reconcile the same with the books of accounts/ profit and loss account for the period of investigation. The exporter was also requested to give the break up of the material and utility cost. However, it was explained by the exporter that the cost of production so indicated in these appendices is based on standards. The exporter could not substantiate the costs indicated under different heads as required under these Appendices. The exporter also explained that since the elements of raw materials reflected in the total cost so determined by them is highly sensitive it will not be possible for them to disclose the same to the investigating team. On being pointed out during the course of verification, that the

cost of production claimed was not actual cost of production and was not for the investigation period, the exporter has not denied the same.

- ii. Since the exporter could not provide reconciliation of the cost of production with the books of accounts/ profit & loss account for the period of investigation it is not possible to assess whether the domestic sale of the exporter are in ordinary course of trade or not. Authority holds that consideration of actual cost of production and for the investigation period is first and foremost requirement in examining whether the domestic sales are in the ordinary course of trade. Moreover, the argument of the exporter with regard to sensitivity of information can not be appreciated by the Authority. Accordingly, Authority holds that the exporter has not fully cooperated with the Authority and has not provided all relevant information.
- iii. There is no other exporter from Taiwan who has cooperated with the Authority. Under these circumstances the only option available with the Designated Authority is to assess the normal value in case of this exporter based on best available information in accordance with Rule 6(8) supra. The Authority has assessed the Normal Value as US \$ \*\*\*\* per kg. of lead acid battery.

#### **EXPORT PRICE:**

In response to the questionnaire, the exporter has furnished invoice-wise/ model-wise details of exports made to India during the period of investigation in Appendix-2. The exporter has also furnished sample copies of invoices in support of the same. The exporter has exported maintenance free lead acid batteries to India during the period of investigation. Adjustment in Appendix-4 have been claimed with regard to inland freight, storage handling, insurance, shipping charges etc., have been considered and allowed to arrive at the ex-factory export price to India. The Authority has thus determined the ex factory export price as US \$ \*\*\*\* /kg of lead acid battery for the Final Findings.

Considering the normal value and export price as detailed above, dumping margin has been determined.

#### **(b) M/S PILOT BATTERY CO. LTD., TAIWAN**

#### **NORMAL VALUE:**

- i. M/s Pilot Battery Co. Ltd., is manufacturing and exporting only the industrial lead acid batteries. During the course of verification it was observed the company has not furnished complete details (Invoice/ transaction-wise) of domestic sales both for the batteries similar to

batteries exported to India and for those batteries which were not exported to India. In the absence of same it was not possible to assess the ex-factory domestic sales realisation of different batteries. The company has furnished monthly total of domestic sales, export to other countries and export to India of different types of batteries as per Appendix-3. The exporter has also submitted the photocopy of their sale ledger for the period of investigation which reflects transaction-wise/invoice-wise details of the sales but does not segregate the same in battery type wise for domestic sales and exports etc separately. Further, during the course of investigation the exporters was asked to explain the cost of production indicated in Appendix-8,9 and 10 and reconcile the same with the books of accounts/ profit and loss account for the period of investigation. It was explained by the exporter that the cost of production so indicated in these appendices is based on standards and past experience of the management. The exporter could not reconcile the cost indicated under different heads as required under these Appendices from the books of accounts/ profit & loss account. The exporter also explained that since the elements of raw materials reflected in the total cost so determined by them is highly sensitive it will not be possible for them to disclose the same to the investigating team. However, the exporter vide their letter dated 6<sup>th</sup> November, 2002 submitted the total cost of different models/sizes of batteries manufactured by them during the period of investigation without giving duly reconciled the break up of the same with books of accounts.

- ii. In view of the non submission of transaction wise details duly segregated into different models / types for exports to other countries and in the domestic market and reconciliation of the cost of production with the books of accounts/ profit & loss account for the period of investigation it is not possible to assess the domestic sale of the exporter and whether those sales are in ordinary course of trade or not. Accordingly, Authority holds that the exporter has not fully cooperated with the Authority and has not provided all relevant information. There is no other exporter from Taiwan who has cooperated with the Authority. Under these circumstances the only option available with the Designated Authority is to assess the normal value in case of this exporter based on best available information in accordance with Rule 6(8) supra. The Authority has assessed the Normal Value as US \$ \*\*\*\* per kg. of lead acid battery.

#### **EXPORT PRICE:**

In response to the questionnaire, the exporter has furnished invoice-wise/ model-wise details of exports made to India during the period of investigation in Appendix-2. The exporter has also furnished sample copies of invoices in support of the same. The exporter has exported

maintenance free lead acid batteries to India during the period of investigation. Adjustments as claimed by the exporter in Appendix-4 with regard to inland freight, storage handling, insurance, shipping charges etc. have been considered to arrive the ex-factory export price to India. The Authority has thus determined the ex factory export price as US \$ \*\*\*\* /kg of lead acid battery for the Final Findings.

(c) **M/S TAIWAN YUASA BATTERY CO. LTD. TAIWAN:**

- (i) In their submissions made to the Authority, the exporter has given details regarding total quantity and sales amount in last three years, cost of batteries and copy of invoices relating to exports to India in 2001. The information required to be given as per the Exporter's Questionnaire, in the prescribed format, was not been given. Also, non confidential summary of the submissions made to be placed on the Public File, has not been given.
- (ii) Authority holds that the exporter has not fully cooperated with the Authority and has not provided all relevant information. There is no other exporter from Taiwan who has cooperated with the Authority.
- (iv) With regard to the argument that the Authority has not disclosed dumping margin in respect of the exporter and the same was mandatory even if the exporter has not fully cooperated with the Authority, the Authority notes that the argument lacks merit. The disclosure statement issued by the Authority contained disclosure on the methodology adopted by the Authority for assessment of dumping margin. This disclosure has been made to all interested parties. In so far as the issue of disclosure of calculations of dumping margin is concerned, the Authority notes that the exporter has not provided sufficient information both for normal value and export price determination. Thus, the exporter has prevented the Authority in assessing its normal value and export price based on data relating to the exporter. Such being the case, there was no individual calculation of dumping margin in respect of the exporter which could be disclosed to the Authority.
- (v) Under these circumstances the only option available with the Designated Authority is to assess the normal value and export price in case of this exporter based on best available information in accordance with Rule 6(8) supra and at the same level as has been done in respect of other exporters from Taiwan. The Authority has assessed the Normal Value and export price as US \$ \*\*\* per kg. of lead acid battery.

**16. OTHER EXPORTERS FROM TAIWAN:**

No other exporter from Taiwan has responded to the investigation. The Authority has assessed the normal value for other exporter based on best available information under Rule 6(8). The export price as determined by adopting the export statistics compiled by DGCI&S for the period of investigation has been adopted. Accordingly the Authority has determined the ex-factory export price of the subject goods as US \$\*\*\*\*\*per kg.

**17. SINGAPORE:****NORMAL VALUE:**

Exporters Questionnaire was sent to the known exporters from Singapore. None of the exporters from Singapore furnished any information in response to the initiation notice. In view of non submission of information by producers/ exporters from Singapore, the Authority has treated the exporters from Singapore as non cooperative. Under these circumstances the only option available with the Designated Authority is to assess the normal value in case of all exports from Singapore based on best available information in accordance with Rule 6(8) supra. The Authority has assessed the Normal Value as US \$ \*\*\*

**EXPORT PRICE:**

As there is no response from any exporter from Singapore, the Designated Authority adopted the Export Price based on the data compiled by DGCI&S, Kolcutta in respect of all exporters from Singapore. Accordingly the Authority has determined the ex-factory export price of the subject goods as US \$\*\*\*\*\*per kg.

**18. HONG KONG:****NORMAL VALUE:**

Exporters Questionnaire was sent to the known exporters from Hong Kong. None of the exporters from Hong Kong furnished any information in response to the initiation notice. In view of non submission of information by producers/ exporters from Hong Kong, the Authority has treated the exporters from Hong Kong as non cooperative. Under these circumstances the only option available with the Designated Authority is to assess the normal value in case of all exporters from Hong Kong based on best available information in

accordance with Rule 6(8) supra. The Authority has assessed the Normal Value as US \$ \*\*\*\* per kg. of lead acid battery.

**EXPORT PRICE:**

As there is no response from any exporter from Hong Kong, the Designated Authority has adopted the Export Price based on the data compiled by DGCI&S, Kolcutta in respect of all exporters from Hong Kong. Accordingly the Authority has determined the ex-factory export price of the subject goods as US \$\*\*\*\*\*per kg.

**G. DUMPING—COMPARISON OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE:**

19. The rules relating to comparison provides as follows:

- (a) "While arriving at the margin of dumping, the DA shall make a fair comparison between the Export Price and the Normal Value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time.
- (b) Due allowance shall be made in each case, on merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability"
- (c) As there is a vide variety of models and types of batteries, these need to be brought into a common denominator for the purpose of calculation and comparison. As mentioned in the Preliminary Findings and also as stated above, there is a direct co-relation between power, lead content and weight of the battery, which also gets reflected in terms of value or price. Further, the direct co-relation between the lead content and weight of the battery and its associated costs and prices is also quite significant. The Authority has, therefore, denoted the normal value as well as the export price in terms of weight of the batteries for the purpose of their comparison and arriving at a dumping margin. The dumping margin for all the exporters and manufacturers of each country—separately for industrial batteries, automotive maintenance free (MF) sealed batteries, automotive other than maintenance free (NMF) dry batteries and motorcycle batteries have been worked out separately.

(d) The Authority has followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the Anti Dumping Rules. Based on the Normal values and Export prices as indicated above the Authority assessed the Dumping Margins in case of all exporters from the subject countries as given in the table below:-

Type of battery	Producers/Exporters	Dumping Margin(%)
<b>Singapore</b>		
1. Industrial	All exporters	250%
2. Automotive (NMF)	All exporters	70%
3. Automotive (MF)	All exporters	70%
4. Motorcycle	All exporters	80%
<b>Hong Kong</b>		
1. Industrial	All exporters	271%
2. Automotive (NMF)	All exporters	182%
3. Automotive (MF)	All exporters	182%
4. Motorcycle	All exporters	19%
<b>Taiwan</b>		
1. Industrial	a. CSB Battery Co., Ltd., b. Pilot Battery c. All other exporters	17.71% 70.19% 44.87%
2. Automotive (NMF)	All exporters	23.81%
3. Automotive (MF)	All exporters	23.81%
4. Motorcycle	All exporters	23.81%

The above Dumping Margins are above the de-minimus limits.

Here, it is clarified that " MF" means "Maintenance Free" i.e., filled with electrolyte and ready to use. " NMF" stands for "non-maintenance free".

#### H. INJURY AND CAUSAL LINK:

The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

- i. A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.
- ii. While examination the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 19 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

#### **I. CUMULATIVE ASSESSMENT OF INJURY:**

Annexure II (iii) under Rule 11 supra further provides that "in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual country is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles".

#### **20. VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY:**

Following parameters establish that material injury has been caused to the domestic industry from dumped imports from the subject countries.

- a) The imports have increased in absolute terms.
- b) The value of import of the subject goods from subject countries has increased.

- c) The imports have increased significantly in relation to production and consumption in India.
- d) Production and hence capacity utilization of the domestic industry has increased in terms of number of batteries, value of batteries produced and lead consumption.
- e) Share of import from subject countries in the import of subject goods in India increased from 24% in 1998-99 to 39 % during the period of investigation (in terms of value of imports). In terms of number of batteries also, the share has increased from 21% (98-99) to 48% (investigation period).
- f) Sales volume has increased.
- g) Productivity of the domestic industry has remained more or less stagnant.
- h) Return on investment declined for the domestic industry.
- i) Profitability of the domestic industry has significantly deteriorated.
- j) Dumped imports are causing price undercutting, price suppression, price depression and price underselling in the Indian market resulting in erosion of profitability and reduction in the return of investment for the domestic industry.
- k) Average debtors with the domestic industry have increased.
- l) Average inventories with the domestic industry has increased.
- m) The domestic industry has no option but to increase wages as per prevailing ruled in the country.
- n) Cash profit of the domestic industry declined significantly in the period of investigation.
- o) Significant decline in profitability of the domestic industry directly resulted into significant decline in cash flow from operations of the domestic industry.
- p) Productivity, even though has increased in terms of number of batteries produced per employee, the same has declined in

terms of value of batteries (as also in terms of lead) produced per employee.

- q) Employment has increased due to increase in capacity by one of the petitioner companies.
- r) Even though the domestic industry has shown positive growth, the same is less than market opportunity (growth in the demand).
- s) Apart from the injury being suffered by the domestic industry, there is a threat of further injury being caused to them on account of dumped imports.
- t) In all the subject countries, capacities created are much higher than domestic demand. Further, due to collapse of telecom sector in international market, India has become a lucrative market for the exporter from subject countries and exporters are forced to export material even at significant dumped prices.
- u) During the period of investigation imports from subject countries have increased at a significant rate which is causing further threat of material injury to the domestic industry;
- v) Manufacturers and exporters from the subject countries are holding substantial surplus capacities and stocks.
- w) Serious concern of domestic industry is on the price at which the product is being imported. The price at which the material is being exported is a dumped price. Further, the material is entering the market at prices much below the selling prices of the domestic industry.

It would thus be seen that the domestic industry has suffered material injury. The imports are further causing threat of material injury.

## 21. VIEWS OF EXPORTERS:

### **M/S CSB BATTERY CO. LTD., TAIWAN AND TAIWAN YUASA BATTERY CO., TAIWAN:**

- (a) The Anti Dumping Rules require that an independent assessment on injury for each segregable product category – i.e., Automotive and Industrial Batteries must be undertaken,

particularly in view of the categorization made by the Designated Authority in the LAB-I case.

(b) Preliminary findings do not indicate any information or analysis on the market share of the domestic industry. This is an essential requirement of the injury analysis.

(c) Entire injury analysis has been done on the basis of comparing the figures of the period of investigation with those of 1998-99. No reason has been advanced as to why the same have not been compared to the immediately preceding period particularly when according to the petition submitted by the domestic industry, dumping started only in the month of October 2000. It is obvious that the comparisons have been done in this particular manner erroneously to attain dramatic effects.

(d) It has been stated that 'While the production of the domestic industry during the period of investigation increased by 35% as compared with that in 1998-99, the sales have increased only by 14% over the same period. This has resulted in lower per unit sales realization and reduction in the profitability of domestic industry'. It can be seen that the conclusion so arrived in the second part of the extracted above has no relevance with the facts/basis given in the first part of the same para.

(e) There is absolutely no analysis or reasoning to support the conclusions and reliance has been placed by the Hon'ble Designated Authority on bald statements made by the domestic industry with regard to these issues undercutting, and price depression. The absence of proper explanation is entirely contrary to the Anti-dumping Rules and India's obligations under the WTO Agreement.

(f) On the issue of inventories, it has not been made clear as to what is the unit to assess whether the inventories have gone up or not. This is without prejudice to the contention that all the factors of injury analysis ought to have been indexed to provide an opportunity to comment on the same.

(g) The case of the domestic industry with regard to the threat of injury is based entirely on conjectures and surmises. It has been presumed that there is threat of injury to the domestic industry. None of the parameters to claim threat of injury has been analyzed, let alone substantiated or evidenced.

- (h) The threat of injury has been assessed on the ground that the exporters have failed to rebut the same with evidence. It will be contrary to all principles of judicial process that while the petitioners have not discharged even their *prima facie* burden of proof to prove threat of injury, the Designated Authority has shifted the onus on to the exporters to provide the facts failing which it will be presumed that the threat of injury exists. This is obviously an incorrect proposition of law.
- (i) M/s Exide Industries, one of the petitioners has imported huge quantities of batteries from China. It was further submitted that the Designated Authority is required to go into the status of the domestic industry irrespective of the timing of the imports. It may be recalled that China was one of the alleged dumped sources in the LAB-I case.

## 22. EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

- (a) The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limit prescribed above. Cumulative assessment of the effect of the imports from Taiwan, Hong Kong and Singapore is appropriate since the export prices from these countries were directly competing with the prices offered by the Domestic Industry in the Indian market and displacing domestic producers here.
- (b) For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra."
- (c) A number of interested parties opposing the anti dumping investigation have given their views regarding injury being suffered by domestic industry and the causal link between dumping and injury. It has been argued that both the petitioner companies i.e., M/s Exide Industries Ltd., and M/s Amara Raja Batteries Ltd., are enjoying growth and prosperity and there is no evidence of loss of contracts. It has been argued that sales volume of the domestic industry has increased and the profitability is being maintained. Also it has been argued that the quality of the domestic industry is poor as compared with the batteries being imported from the subject countries. It has also been argued that M/s Exide Industries Ltd., is selling batteries in the OEM market at very low prices and in the replacement market these are being sold at almost three times the price of OEM market. Also M/s Exide Industries

Ltd. is selling under DGS&D Rate Contract at prices significantly below the import price. It has also been argued that the domestic industry is operating at far above its installed capacity and is unable to meet the requirement of the Indian market, especially in some of the ranges which are not being produced by them at all. The other arguments are that imported batteries are preferred, especially in the UPS segment due to their better performance, range, service and reliability as compared to the Indian batteries and also the importers are paying very high rates of customs duties. It has also been stated that due to decline in the automotive segment especially in the tractor and commercial vehicle segment, there has been a fall in demand causing injury to the domestic industry. The contraction in demand due to industrial recession in the economy and the change in the pattern of consumption are the causes of injury to the domestic industry in addition to a number of company specific parameters.

- (e) The Authority has taken into account all indices regarding injury while doing the final determination. This would involve all relevant facts viz , volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market and its subsequent effect on domestic producers, production, capacity utilisation, profitability, net sales realisation etc. While determining the non-injurious price for the like article for the domestic industry, the Authority considered the optimum cost of production for the domestic industry which would take into account the normated best consumption norms and would also take into account the actual price of the raw materials during the period of investigation which go into the production of the product under consideration.
- (f) With regard to separate assessment of injury, the Authority holds that separate assessment has been done for different types of batteries to the extent information is separately maintained by the domestic industry. The Authority also notes that Annexure II(vi) provides the effect of the dumped imports should be assessed in relation to the domestic production of the like article when available data permits separate identification of that production on the basis of such criteria as the production process, producers sales and profits. If such separate identification is not possible, the effects of dumped imports need be assessed with reference to the narrowest group or range of products, which includes the like product, for which the necessary information can be provided. The Authority also confirms that the calculations of non injurious price and injury margin have been done by determining separate non injurious price for various categories, such as automotive maintenance free, automotive non maintenance free, motorcycle, industrial maintenance free, industrial non maintenance free batteries.

### 23. MATERIAL INJURY:

The following parameters reveal that the domestic industry has suffered material injury from the dumped imports and also that there is threat of further injury being caused by dumped imports:

#### (i) IMPORTS AND THEIR MARKET SHARE: -

(a) Based on the information provided by the DGCI&S and Secondary Sources, the imports from subject countries in value as well as number of batteries have increased significantly as compared to previous years. The same is reflected in the following table:

	1998-99		1999-00		2000-01		Oct-00-Sept 01	
	Nos.	Value	Nos.	Value	Nos.	Value	Nos.	Value
<b>Imports</b>								
Taiwan	164607	654.24	112942	412.58	606559	1893.26	623420	2353.47
Hong Kong	32553	22.33	53478	38.66	193100	247.98	663213	337.48
Singapore	237084	318.41	115269	313.79	253371	707.47	79522	407.25
Subject Countries	434244	994.97	281689	765.03	1053030	2848.71	1366155	3098.20
Trend	100	100.00	64.87	76.89	242.5	286.31	314.61	311.39
Other Countries	1589691	3155.68	1763171	3397.34	2386833	6004.21	2010138	5053.62
Trend	100	100.00	110.91	107.66	150.14	190.27	126.45	100.14
Total Imports	2023935	4150.65	2044860	4162.37	3439863	8852.92	2855587	8010.91
<b>Market share in Imports</b>								
Subject Countries	21.46	23.97	13.92	18.43	30.61	32.18	47.84	38.67
Other Countries	78.54	76.03	86.08	81.57	69.39	67.82	70.39	63.08

(b) Imports of the subject goods in relation to production of the domestic industry, both in terms of number of batteries as also value of batteries have been as under: -

	1998- 99	1999-00	2000-01	POI
<b>Imports in relation to production</b>				
Number of batteries				
CIF value of imports	7.88	3.84	13.87	18.24
	1.08	0.75	2.76	3.13

It is evident from the above that the imports have increased in relation to production of the domestic industry. It is also to be noted that while the value of imports considered above is CIF import price. Should the value

of imports be considered after including basic import duty, the share would still be higher.

(c) Imports of the subject goods in relation to demand of the product have been as under: -

	1998-99	1999-00	2000-01	POI
Assessed Demand	100.00	108.14	114.38	115.22
Share of				
Imports from subject countries	100.00	70.02	250.32	270.26
Imports from other countries	100.00	99.56	166.35	138.99
Domestic industry	100.00	100.21	97.62	98.06

It is evident from the above that the share of imports in demand of the product in the Country has also increased significantly.

(d) The above tables shows that there has been a significant increase in imports in a relatively short time and also rate of growth of dumped imports from subject countries is significant, given the short time in which imports have taken place.

(e) The rate of growth of imports of subject goods is more than the rate of growth of domestic production.

(ii) **ECONOMIC PARAMETERS RELATING TO THE DOMESTIC INDUSTRY :**

The Authority has analyzed various parameters relating to the domestic industry. The same are tabulated below: -

	1998-99		1999-00		2000-01		Oct-00-Sept 01	
	Nos.	Value	Nos.	Value	Nos.	Value	Nos.	Value
Production	100	100	123.34	108.36	137.82	111.65	140.75	112.98
Lead Consumption	100	100	115.06	114.57	120.68	118.00	122.58	121.58
Sales	100	100	125.85	106.75	141.79	110.44	144.46	114.39
Cost of Sales		100		110.57		114.87		115.96
Production value		100		108.36		111.65		112.98
Inventories	100	100	99.43	108.59	85.94	114.89	107.2	148.73
Employees	100		101.12		109.08		109.7	
Productivity per employee	100		121.97		126.34		128.3	
Productivity per employee		100		107.16		102.36		102.99
Profit/Loss		100		79.41		70.15		66.21
Return on investment		100		66.49		53.04		50.95

Cash Profit		100	89.44		86.50		82.89
Wages per employee		100	140		156		156
Growth (% increase over previous year)		25.85	6.75	12.67	3.45	1.88	3.58

From the above, the Authority notes that :-

- a) Production and sales volumes of the domestic industry has increased both in terms of number of batteries and value of production. However, it is found that in spite of increase in production and sales volumes, the profitability of the domestic industry has significantly deteriorated. Thus, increase in production and sales volumes have not helped the domestic industry in improving their profits.
- b) While cost of sales, production value and sales value have also increased, the increase in the cost of sales is more than increase in the sales value. This has directly resulted in decline in the profits of the domestic industry.
- c) Inventories of the subject goods with the domestic industry have increased.
- d) Profits of the domestic industry have significantly declined. The decline in the profits is in spite of increase in the production and sales volumes.
- e) Number of employees have marginally increased.
- f) Productivity of the domestic industry has improved due to increase in production. However, in spite of increase in productivity, the cost of sales have increased more than increase in the sale value, thus, adversely affecting the profits of the domestic industry.
- g) Return on investment has significantly declined.
- h) Cash profits of the domestic industry have also declined, thus, adversely affecting the cash flow.
- i) Wages per employee have increased. However, this increase is more due to the prevailing labor laws in the Country. Further, the increase in the wages has resulted in further increase in the cost of sales, whereas the domestic industry could not maintain its profits, in spite of increase in productivity and sales volumes.

- j) Growth of the domestic industry has declined.
- k) Domestic industry has lost significant sales volumes to other the imports from the subject countries. It is found that one of the customers, M/s. \*\*\*\*\* who was catering its 100% requirement from the domestic sources, had started purchasing from the exporters in the subject countries. In fact, the domestic industry has represented that the entire requirement of this company was being met.
- l) The Authority analyzed the landed price of the exports made by the Cooperating Exporters, sales realization, cost of production, non injurious price and profit/loss of the domestic industry of similar models of Lead Acid Batteries. The results are in the tables below.-

(iii) **SIGNIFICANT DECLINE IN THE SELLING PRICE:**

(a) The Authority notes that those types of industrial lead acid batteries which were exported by the responding exporters, the selling price of the domestic industry has very materially declined, as may be seen from the table below:-

Battery Type	1998-99	1999-00	2000-2001	2001-2002	POI
<b>EP SERIES</b>					
EP 4 - 6	100.00	94.41	98.60	88.11	87.69
EP 7 - 12	100.00	73.85	67.89	57.57	68.59
EP 10 - 6		100.00	94.41	97.35	91.10
EP 15 - 12	100.00	71.39	79.45	94.30	74.92
EP 24 - 12	100.00	103.61	55.92		55.32
EP 26 - 12	100.00	94.73	94.38	91.29	92.86
EP 38 - 12	100.00	102.19			49.66
EP 42 - 12	100.00	83.92	91.87	94.31	92.45
EP 65 - 12	100.00	85.43	98.46	90.14	93.19
EP 80 - 12			100.00		102.00
EP 100 - 12		100.00	85.46	85.37	82.62

(b) A comparison of the selling price of the domestic industry with the landed price of imports showed that the imports were significantly undercutting the prices in the market. Those imported batteries which were undercutting the

prices in the domestic market and which have been examined by the Authority are shown below: -

CSB	Pilot
16V-1.3 AH	****
16V 3.3AH	****
EP 4 - 6	****
EP 7 - 12	****
EP 10 - 6	****
EP 24 - 12	****
EP 26 - 12	****
EP 42 - 12	****
EP 65 - 12	****
EP 100 - 12	****

(c) The Authority further analyzed the selling price of the domestic industry alongwith cost of production of the particular type as also the non-injurious price determined by the Authority on the basis of weighted average costs for different types. The results are given below:-

	Profit/Loss %	Is Price above NIP based on average cost
EP 4 - 6	(****)	****
EP 7 - 12	(****)	****
EP 10 - 6	(****)	****
EP 15 - 12	(****)	****
EP 24 - 12	(****)	****
EP 26 - 12	****	****
EP 38 - 12	(****)	****
EP 42 - 12	****	****
EP 65 - 12	****	****
EP 80 - 12	(****)	****
EP 100 - 12	(****)	****

(d) The Authority notes that the domestic industry is selling most of those models which are being imported from the subject countries at a loss. Most of these models were below the non-injurious price determined by the Authority on average basis.

(e) The Authority analyzed what percentage these models constituted in terms of total sales of one of the domestic industry in respect of industrial maintenance free batteries. It is found that these batteries (wherein the imports have been made) constituted about \*\*\*\*% (in numbers) and \*\*\*\*% (in terms of turnover) of total industrial maintenance free batteries. At the same time, the domestic industry, for which detailed analysis was carried out, suffered a net loss in these types of batteries, whereas the company made overall profits in industrial segment.

(f) The above analysis leads the Authority to conclude that those types of batteries wherein the imports are being made, the domestic industry is either suffering losses or its profitability has significantly deteriorated. At the same time, possibly, the domestic industry is making profits in those types of batteries wherein there are no imports.

(g) There is also likelihood of substantially increased imports from these sources in view of huge production in these countries. It is further noted that there is surplus capacity available in the subject countries, which could be a matter of concern to the financial performance of the Domestic Industry if the same is utilized for exports to India at dumped prices. Further, existence of significant price undercutting would result in significant increased importation, should the imports continue at dumped prices. Loss of order by one of the major Indian Producers to the imports from the subject countries is a clear evidence in this direction.

(h) The Authority notes that in considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, sales, stock, profitability, net sales realization etc. There are a number of parameters evidencing injury and threat of further injury, should the imports be allowed at the present dumped prices. The rate of increase of imports during the period of investigation from subject countries and the corresponding fall in the sales realization and profits of the domestic industry are the parameters clearly showing the injury being suffered by the domestic industry. On the basis of the evidence available before the Authority, it is determined that the domestic industry has suffered injury and is suffering further threat of injury during the period of investigation.

**J. CAUSAL LINK:**

24. In determining whether injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts: -

- (I) Substantial imports of subject goods from Taiwan, Hong Kong and Singapore at dumped prices forced the domestic industry to reduce its selling prices to un-remunerative level, which has resulted in a situation of price undercutting in the Indian market.
- (vi) The imports from Taiwan, Hong Kong and Singapore suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sale of subject goods in India.
- (iii) The imports from subject countries have forced the Domestic Industry to reduce the selling price, which has adversely affected its profitability.

25. The Authority, therefore, notes from the above that the imports from the subject countries have been at a price below the selling price of the domestic industry. Further, the imports into India have been at a price lower than the non-injurious price for the Domestic Industry. As a consequence thereof the Domestic Industry has not been able to earn a reasonable return. These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports.

**K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST:**

26. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

27. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

28. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from Taiwan, Hong Kong and Singapore in any way, and

therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

**L. CONCLUSIONS:**

29. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (I) Lead Acid Batteries have been exported to India from Taiwan, Hong Kong and Singapore below its normal value;
- (ii) The Indian industry has suffered material injury and facing threat of further injury;
- (iv) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

30. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty on all imports of Lead Acid Batteries from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports has been compared with the weighted average non-injurious price of the Petitioner Companies determined for the period of investigation.

31. Accordingly, the Authority recommends that definitive anti dumping duties as set out below be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of lead acid batteries falling under customs code 8507 originating in or exported from subject countries. For the purpose of calculation of anti dumping duty, the Authority has converted the normal value and the export price calculated per kg weight of the dry battery in the case of automotive batteries other than the maintenance free batteries and per kg of gross weight of the filled and sealed battery in the case of maintenance free automotive and industrial batteries. In case of industrial batteries, since no evidence of imports of dry lead acid batteries is available the duties as applicable to maintenance free sealed batteries shall apply to dry lead acid batteries also. The anti dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 3 and landed value of import per kg of the battery for all exporters/manufacturers from the countries named in column 1 of the table below:-

Type of battery (1)	Producers/Exporters (2)	Amount in US\$ per kg (3)
<b><u>Singapore</u></b>		
1. Industrial	All exporters	<b>2.99</b>
2. Automotive (NMF)	All exporters	<b>2.11</b>
3. Automotive (MF)	All exporters	<b>2.03</b>
4. Motorcycle	All exporters	<b>3.69</b>
5. All other Lead Acid Batteries/accumulators	All exporters	<b>3.69</b>
<b><u>Hong Kong</u></b>		
1. Industrial	All exporters	<b>2.99</b>
2. Automotive (NMF)	All exporters	<b>2.10</b>
3. Automotive (MF)	All exporters	<b>2.03</b>
4. Motorcycle	All exporters	<b>3.69</b>
5. All other Lead Acid Batteries/accumulators	All exporters	<b>3.69</b>
<b><u>Taiwan</u></b>		
1. Industrial	a. CSB Battery Co, Ltd., d. Pilot Battery e. All other exporters	<b>2.99</b> <b>2.99</b> <b>2.99</b>
2. Automotive (NMF)	All exporters	<b>2.11</b>
3. Automotive (MF)	All exporters	<b>2.03</b>
4. Motorcycle	All exporters	<b>3.69</b>
5. All other Lead Acid Batteries/accumulators	All exporters	<b>3.69</b>

Here, it is clarified that " MF" means "Maintenance Free" i.e., filled with electrolyte and ready to use. " NMF" stands for "non-maintenance free".

32. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
33. Subject to the above, the Authority confirms the Preliminary Findings dated 5<sup>th</sup> April, 2002.
34. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority